www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।"

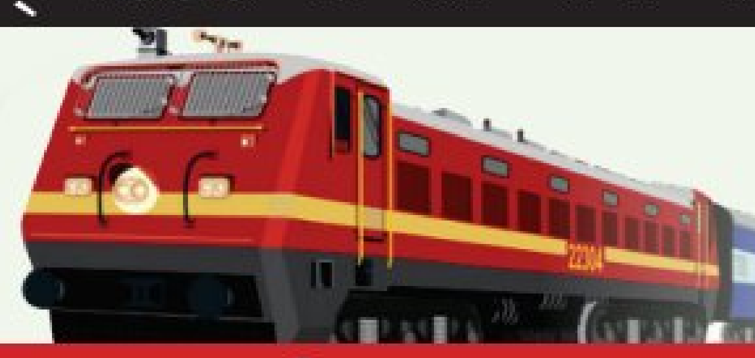

"हिंदी उन सभी गुणों से अलंकृत है, जिनके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषाओं की अगली श्रेणी में समासीन हो सकती है।"

वर्ष-35 अंक:18 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 16-30 सितम्बर 2025 पृष्ठ 08, मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

मिजोरम में विकास की नई सुबह

प्रधानमंत्री ने ₹9000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का किया शुभारंभ, आइजोल देश के रेल नेटवर्क से जुड़ा

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बहुप्रतीक्षित बैराबी-सैरांग रेल लाइन का उद्घाटन किया, जिसके साथ ही मिजोरम की राजधानी आइजोल पहली बार भारत के राष्ट्रीय रेल मानचित्र पर अंकित हो गई है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि राज्य के लिए एक नए युग की शुरुआत है, जिससे कनेक्टिविटी और विकास के नए द्वार खुलेंगे।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर को देश और विशेषकर मिजोरम के लोगों के लिए ऐतिहासिक बताया। अतीत को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि कुछ वर्ष पहले उन्हें ही इस रेलवे लाइन की नींव रखने का अवसर मिला था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुर्गम क्षेत्र और कई चुनौतियों के बावजूद, इंजीनियरों और श्रमिकों के अथक प्रयासों से यह परियोजना अब एक वास्तविकता बन गई है।

सिर्फ संपर्क नहीं, परिवर्तन की जीवन रेखा

इस नई रेल लाइन को प्रधानमंत्री ने सिर्फ एक परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि ''परिवर्तन की जीवन रेखा'' बताया। इस लाइन के शुरू होने से मिजोरम का सैरांग (आइजोल के निकटतम स्टेशन) राजधानी एक्सप्रेस के माध्यम से सीधे देश की राजधानी दिल्ली से जुड़ जाएगा।

यह सीधी कनेक्टिविटी मिजोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। इससे राज्य के किसानों और व्यवसायों को देश भर के बड़े बाजारों तक पहुंच मिलेगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। साथ ही, लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के लिए यात्रा करने में आसानी होगी।

पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

माना जा रहा है कि इस रेल संपर्क से राज्य के पर्यटन, परिवहन और आतिथ्य क्षेत्रों को अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण अधिक पर्यटक मिजोरम की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

यह परियोजना सरकार के उस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है जिसके तहत पूर्वोत्तर के कई राज्यों को पहली बार भारत के रेल मानचित्र पर शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में सैरांग-ह्मांगबुचुआ रेल लाइन मिजोरम को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ेगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा।

बइरबी-सायरंग रेल परियोजना से मिजोरम को पहली बार राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य संपन्न।

सूत्र/पमरे- भारतीय रेलवे के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। 10 जून 2025 को हरतकी से सायरंग तक अंतिम रेल खंड के चालू होने के साथ ही बइरबी-सायरंग नई रेल परियोजना पूर्ण हो गई। इसके साथ ही मिजोरम की राजधानी आइजोल पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ गई।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना 29 नवंबर 2014 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखी गई आधारशिला से आरंभ हुई थी। वर्ष 2016 में बइरबी तक मालगाड़ी पहुँचने के बाद, अब 51.38 किलोमीटर लंबी पूरी लाइन को चालू कर दिया गया है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 8071 करोड़ रुपये रही।

परियोजना की तकनीकी विशेषताएँ

- यह रेल मार्ग कोलासिब और आइजोल जिलों से होकर गुजरता है और 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति क्षमता के अनुरूप तैयार किया गया है।
- इसमें कुल चार स्टेशन हरतकी, कॉनपुई, मुअलखांग एवं सायरंग का निर्माण किया गया है।
- इस रेल मार्ग में 153 पुलों का निर्माण किया गया है, जिनमें 55 बड़े पुल, 88 छोटे पुल और 10 आरओबी/आरयूबी शामिल हैं। साथ ही 45 सुरंगें बनाई गई हैं।
- कुल 11.78 किलोमीटर लंबाई पुलों से और 15.885 किलोमीटर लंबाई सुरंगों से होकर गुजरती है।
- सबसे लंबी सुरंग 1.868 किलोमीटर की है और सभी सुरंगों में आधुनिक बलास्ट रहित पटरियाँ बिछाई गई हैं।
- सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध बनाने हेतु सुरंगों की दीवारों पर मिजोरम की लोक संस्कृति, पहनावे, त्योहारों और जैव विविधता को दर्शाते भित्तिचित्र बनाए गए हैं।

चुनौतियों पर विजय

यह परियोजना कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम के बावजूद पूरी की गई। अप्रैल से अक्टूबर तक चलने वाले भारी मानसून, बार-बार होने वाले भूस्खलन और निर्माण सामग्री की दूर-दराज से आपूर्ति जैसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया गया। कठिन पहाड़ी इलाकों और कमजोर चट्टानों के बीच 65 मीटर तक गहरी कटाई करके सुरक्षित ट्रैक बिछाया गया।

परियोजना से लाभ

- इस परियोजना से मिजोरम की राजधानी आइजोल सहित पूरे क्षेत्र को अनेक लाभ होंगे।
- सड़क मार्ग की तुलना में यात्रा का समय सात घंटे से घटकर मात्र तीन घंटे हो जाएगा।
- शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक पहुँच आसान होगी।
- माल परिवहन की लागत में कमी से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आएगी और स्थानीय बाजारों को गति मिलेगी। वन-आधारित उत्पादों, हस्तशिल्प और बागवानी के सामान को देश के अन्य हिस्सों तक पहुँचाना सरल होगा।
- प्रमुख स्टेशनों पर बने गुड्स शेड क्षेत्र में व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ाएँगे।

पर्यटन को बढ़ावा

आईआरसीटीसी ने अगस्त 2025 में मिजोरम सरकार के साथ पर्यटन संवर्धन हेतु दो वर्षीय समझौता किया है। इसके तहत ''गुवाहाटी से आगे पूर्वोत्तर की खोज'' नामक विशेष पर्यटक ट्रेन में आइजोल को एक प्रमुख गंतव्य बनाया जाएगा। इससे स्थानीय आतिथ्य, गाइडिंग, होटल उद्योग, हस्तशिल्प और वस्त्र व्यवसायों को नई ऊर्जा मिलेगी।

बइरबी-सायरंग रेल परियोजना केवल एक रेल लाइन नहीं, बल्कि मिजोरम के सामाजिक-आर्थिक विकास की नई जीवनरेखा है। यह परियोजना पूर्वोत्तर भारत को मुख्यधारा के साथ और मजबूती से जोड़ते हुए क्षेत्रीय संतुलन और राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

श्री अश्विनी वैष्णव ने जयपुर में अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास का निरीक्षण और वंदे भारत ट्रेन अनुरक्षण शेड का उद्घाटन किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने 11 सितंबर, 2025 को एक दिवसीय दौरे पर जयपुर पहुंचे। श्री वैष्णव गुरुवार को सुबह स्पेशल ट्रेन से रेवाड़ी-खातीपुरा रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए खातीपुरा स्टेशन पहुंचे।

रेल मंत्री ने खातीपुरा स्टेशन में बन रहे ट्रेन मेंटिनेंस शेड के मॉडल का अवलोकन किया। इस दौरान माननीय मंत्री जी के साथ श्रीमती मंजू शर्मा, सांसद/जयपुर और श्री गोपाल शर्मा, विधायक (सिविल लाइंस) भी उपस्थित रहे। मीडिया से वार्ता के दौरान माननीय रेल मंत्री ने खातीपुरा मेंटेनेंस शेड की विस्तृत जानकारी दी।

रेल मंत्री ने वंदे भारत सहित अन्य ट्रेनों की अनुरक्षण के लिए कोच केयर कंपलेक्स जयपुर में अनुरक्षण सुविधाओं के विस्तार हेतु नवनिर्मित शेड का उद्घाटन किया। उन्होंने शेड में बने 4 टियर प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया तथा यात्री सुविधाओं में वृद्धि के अंतर्गत कोच में किए गए टॉयलेट मॉडीफेशन और ब्रेक वान में किए गए मॉडीफेशन का निरीक्षण किया।

रेल मंत्री ने इसके पश्चात अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किये जा रहे जयपुर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की भव्यता की प्रशंसा की और कहा कि यह पूरे जयपुर के लिए गौरव का बात है कि स्टेशन के सेकंड एंट्री के पुनर्निर्माण का कार्य बहुत तेजी से और सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही बीकानेर-दिल्ली और जोधपुर- दिल्ली वंदे भारत ट्रेन का संचालन शुरू किया जा रहा है। साथ ही जैसलमेर और दिल्ली के मध्य भी एक ओवरनाइट ट्रेन का संचालन शीघ्र प्रारंभ किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर वासियों, मीडिया प्रतिनिधियों और जन प्रतिनिधियों से कहा कि वे आपस में इस बात पर विचार करे कि जयपुर के आसपास के स्टेशनों के नाम में जयपुर शब्द को जोड़ा जाए जैसे गांधीनगर में जयपुर गांधीनगर, खातीपुरा को जयपुर खातीपुरा के रूप में नामकरण किया जाए। और इस प्रस्ताव को अपने जनप्रतिनिधियों के माध्यम से केंद्र में भिजवाएं। साथ ही श्री अश्विनी वैष्णव ने सीमावर्ती क्षेत्रों में रेल नेटवर्क को और मजबूत बनाने की बात कही। उन्होंने शहर के रेल फाटकों को समाप्त करने की योजना के तहत अंडरपास और रोड ओवर ब्रिज बनाने के लिए भी दिशा निर्देश प्रदान किए। श्री अश्विनी वैष्णव, स्टेशन पर कार्य कर रहे कार्मिकों से संवाद भी किया। उन्होंने जयपुर स्टेशन के मुख्य प्रवेश की बिल्डिंग के कार्य भी जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जयपुर स्टेशन के निरीक्षण के बाद रेल मंत्री ने जयपुर के उपनगरीय स्टेशन गांधीनगर जयपुर पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया व दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जिस तरह जयपुर की अपनी एक स्थापत्य कला और आर्किटेक्चर है उस हेरिटेज को ध्यान में रखते हुए स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है। गांधीनगर जयपुर के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस कार्य का शिलान्यास किया है और जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान माननीय रेल मंत्री जी के साथ श्री अमिताभ, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे, श्री रवि जैन/मंडल रेल प्रबंधक, जयपुर, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय और जयपुर मंडल के अधिकारी, उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

टेक्नोलॉजी के चैंपियन हैं
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

सूत्र/रे.स.ब्यू- क्या आपको वह समय याद है जब सरकारी दस्तावेज को हासिल करना कितना मशक्कत का काम होता था ? कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लंबी लाइनें लगती थीं, और कभी-कभी बेवजह की फीस देनी पड़ती थी। अब वही दस्तावेज सीधे आपके फोन पर मिल जाते हैं।

यह बदलाव यूं ही नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक को भारत का सबसे बड़ा अवसर देने वाला साधन बना दिया। मुंबई का एक रेहड़ी-पटरी वाला वाला भी वही यूपीआई पेमेंट सिस्टम इस्तेमाल करता है, जो एक बड़ी कंपनी का अधिकारी करता है। उनकी सोच में तकनीक पद के अनुरूप किसी ऊंच-नीच को नहीं मानती।

यह बदलाव उनकी मूल सोच अंत्योदय को दर्शाता है- यानी कतार में खड़े सबसे आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना। हर डिजिटल पहल का मकसद है कि तकनीक को सबके लिए समान रूप से उपलब्ध कराना। गुजरात में शुरू हुए ये प्रयोग ही भारत की डिजिटल क्रांति की नींव बने।

गुजरात: जहां से शुरुआत हुई

मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी जी ने तकनीक और नवाचार के जरिए गुजरात को बदला। 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना में फीडर सेपरेशन तकनीक का उपयोग किया गया। इससे ग्रामीण उद्योगों को 24X7 बिजली मिली और तय समय पर खेतों को बिजली मिलने से जमीन के नीचे का पानी कम गति से घटने लगा।

महिलाएं रात में पढ़ाई कर सकीं और छोटे व्यवसाय फले-फूले, जिससे गाँव से शहर की ओर पलायन घटा। एक अध्ययन के अनुसार, इस योजना पर किए गए 1,115 करोड़ रुपये के निवेश की भरपाई सिर्फ ढाई साल में हो गई।

2012 में उन्होंने नर्मदा नहर पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया। इस परियोजना से हर साल 1.6 करोड़ यूनिट बिजली बनी, जो लगभग 16000 घरों के लिए काफी थी। साथ ही, नहर के पानी का वाष्पीकरण कम हुआ और पानी की उपलब्धता बढ़ी।

एक ही पहल से कई समस्याओं का समाधान निकालना मोदी जी की तकनीक दृष्टि को दर्शाता है। स्वच्छ ऊर्जा बनाना और पानी बचाना, दोनों साथ-साथ। यह दक्षता और प्रभाव का उदाहरण था, जो साधारण समाधानों से कहीं अधिक था।

इस नवाचार को अमेरिका और स्पेन द्वारा अपनाया जाना इसकी प्रभावशीलता को और मजबूत करता है।

ई-धरा प्रणाली से जमीन के कागजात डिजिटल हुए। स्वागत पहल से नागरिक वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा मुख्यमंत्री से सीधे जुड़ सके। ऑनलाइन टेंडरिंग से भ्रष्टाचार पर रोक लगी।

इन पहलों से भ्रष्टाचार घटा और सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हुई। लोगों का शासन पर भरोसा लौटा, जिसका असर गुजरात में लगातार मिलती बड़ी चुनावी सफलताओं में दिखा।

राष्ट्रीय परिदृश्य

2014 में उन्होंने गुजरात का अनुभव और सीख को दिल्ली तक पहुंचाया। लेकिन पैमाना कहीं बड़ा था।

उनके नेतृत्व में इंडिया स्टैक ने जो आकार लिया, वह दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनकर उभरा है। इसकी बुनियाद जैम ट्रिनिटी (जन धन, आधार, मोबाइल) पर रखी गई।

जन धन खातों ने 53 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा। जो लोग अब तक आर्थिक रूप से बाहर थे, वे पहली बार औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने।

ठेले वाले, दिहाड़ी मजदूर और ग्रामीण परिवार, जो केवल नकद पर निर्भर रहते थे, अब बैंक खातों से जुड़े। इससे उन्हें सुरक्षित बचत करने, सीधे सरकारी लाभ पाने और आसानी से कर्ज प्राप्त करने का अवसर मिला।

आधार ने नागरिकों को डिजिटल पहचान दी। अब तक 142 करोड़ से ज्यादा पंजीकरण हो चुके हैं। इससे सरकारी सेवाओं तक पहुंचना आसान हुई, जहां पहले कई दस्तावेजों की जांच की जरूरत पड़ती थी।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने बिचौलियों को हटा दिया और गड़बड़ी कम की। अब तक डीबीटी से 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। यही पैसा स्कूल, अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे बनाने में लगाया जा रहा है।

पहले ग्राहक की पहचान (केवाईसी) की प्रक्रिया कठिन थी। इसमें कागजी दस्तावेजों की जांच, मैनुअल प्रक्रिया और कई बार की भाग-दौड़ शामिल होती थी। इससे सेवा प्रदाताओं को हर वेरिफिकेशन पर काफी खर्च करना पड़ता था। आधार-आधारित ई-केवाईसी ने इस खर्च को घटाकर मात्र 5 रुपये में कर दिया। अब छोटे से छोटे लेन-देन भी आर्थिक रूप से संभव हो गए हैं।

यूपीआई ने भारत के भुगतान करने का तरीका बदल दिया। अब तक 55 करोड़ से ज़्यादा लोग इसका इस्तेमाल कर चुके हैं। सिर्फ अगस्त 2025 में ही 20 अरब से अधिक लेन-देन हुए, जिनकी कुल राशि 24.85 लाख करोड़ रुपये रही।

अब पैसे भेजना बैंक में घंटों की परेशानी नहीं, बल्कि मोबाइल पर 2 सेकंड से भी कम का काम है। बैंक जाने, लाइन लगाने और कागजी प्रक्रिया की जगह अब क्यूआर कोड स्कैन से तुरंत भुगतान हो जाता है।

भारत दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स का आधा हिस्सा अकेले संभालता है। दस साल पहले भारत ज़्यादातर नकद पर निर्भर था।

प्रधानमंत्री मोदी की सोच ने जैम ट्रिनिटी और यूपीआई ढांचे को अंतिम रूप दिया। जब कोविड आया और उन्होंने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया, तो यह पूरा सिस्टम कामयाब साबित हुआ। नतीजा यह है कि आज यूपीआई, वैश्विक स्तर पर वीजा से भी अधिक लेन-देन करता है। एक साधारण मोबाइल फोन अब बैंक, पेमेंट गेटवे और सर्विस सेंटर... सब कुछ बन गया है।

प्रगति ने शासन में जवाबदेही लाने का काम किया। यह प्लेटफॉर्म प्रधानमंत्री को सीधे प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग से जोड़ता है, जहां हर महीने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा होती है। जब अधिकारियों को पता होता है कि प्रधानमंत्री लाइव वीडियो में उनका काम देखेंगे, तो जवाबदेही अपने आप बढ़ जाती है।

जैसे किसी राजमार्ग परियोजना में देरी हो रही हो, तो प्रगति समीक्षा के दौरान तुरंत उस पर ध्यान दिया जाता है और अधिकारियों को देरी का कारण बताना पड़ता है। इससे तुरंत सुधार होता है और आखिरकार जनता को सीधा लाभ मिलता है।

सबके लिए तकनीक

तकनीक ने खेती और स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह बदल दिया है। हरियाणा के किसान जगदेव सिंह अब फसल से जुड़े फैसले लेने के लिए एआई ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें मौसम की जानकारी और मिट्टी की सेहत का डेटा सीधे मोबाइल पर मिल जाता है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के जरिए 11 करोड़ किसानों को सीधी आय सहायता डिजिटल माध्यम से पहुंचाई जाती है।

डिजी-लॉकर के अब 57 करोड़ से ज़्यादा उपयोगकर्ता हैं, जिनमें 967 करोड़ दस्तावेज डिजिटल रूप से सुरक्षित रखे गए हैं। आपका ड्राइविंग लाइसेंस, डिग्री सर्टिफिकेट, आधार और अन्य सरकारी दस्तावेज अब आपके फोन में सुरक्षित रहते हैं।

सड़क पर पुलिस चेकिंग के दौरान अब कागज ढूंढने की जरूरत नहीं। बस डिजी-लॉकर से डिजिटल लाइसेंस दिखा दीजिए। आधार ऑथेंटिकेशन से आयकर रिटर्न भरना भी बेहद आसान हो गया है। जहां पहले ढेर सारे दस्तावेजों की फाइलें साथ ले जानी पड़ती थीं, अब सब कुछ आपकी जेब में मोबाइल पर समा गया है।

अंतरिक्ष और नवाचार

भारत ने वह कर दिखाया जो असंभव सा लगता था। मंगल तक पहली कोशिश में पहुंचना और वह भी इतने कम खर्चे में, जितना एक हॉलीवुड फिल्म पर भी नहीं लगता। मंगलयान मिशन केवल 450 करोड़ में पूरा हुआ, जिसने साबित किया कि भारतीय इंजीनियरिंग विश्वस्तरीय नतीजे दे सकती है।

चंद्रयान-3 ने भारत को चाँद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनाया और चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश।

इसरो ने एक ही मिशन में 104 उपग्रह छोड़े, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। अब भारतीय रॉकेट 34 देशों के उपग्रह अंतरिक्ष में पहुँचा रहे हैं। गगनयान मिशन भारत को चौथा ऐसा देश बनाएगा जो अपनी स्वदेशी तकनीक से इंसानों को अंतरिक्ष में भेजेगा। प्रधानमंत्री मोदी हमारे वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे और उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा रखते हैं।

वैश्विक नेतृत्व

जब कोविड-19 आया, तो पूरी दुनिया वैक्सीन बांटने की अफरा-तफरी से जूझ रही थी। भारत ने अपनी ताकत दिखाते हुए समाधान दिया। कोविन प्लेटफॉर्म रिकॉर्ड समय में बनाया गया। यह दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का एक संपूर्ण डिजिटल समाधान था।

इस प्लेटफॉर्म ने 200 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज को सटीक डिजिटल ढंग से संभाला। न कोई ब्लैक मार्केटिंग, न पक्षपात सिर्फ पारदर्शी वितरण।

डायनैमिक एलोकेशन की वजह से बर्बादी रुकी। बची हुई वैक्सीन तुरंत उन इलाकों में भेज दी जाती थी जहां ज़्यादा जरूरत थी। यह उपलब्धि दिखाती है कि जब तकनीक को राजनीतिक इच्छाशक्ति का सहारा मिलता है, तो वह बहुत बड़े स्तर पर और पूरी निष्पक्षता के साथ परिणाम दे सकती है।

मैन्युफैक्चरिंग क्रांति

चीजें बनाने का असली नियम यह है कि आप सीधे चिप्स बनाने पर नहीं कूद सकते, पहले बुनियादी चीजें सीखनी पड़ती हैं। यह बिल्कुल वैसे है जैसे कोडिंग सीखते समय सबसे पहले "हैलो वर्ल्ड" से शुरुआत होती है, उसके बाद ही बड़े ऐप्स बनाए जाते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन भी इसी क्रम का पालन करता है। देश पहले असेंबली में महारत हासिल करते हैं, फिर सब-मॉड्यूल्स, कंपोनेंट्स और उपकरणों तक आगे बढ़ते हैं। भारत की यात्रा भी इसी प्रगति को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री की दृष्टि के तहत, आज हमारी मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन क्षमता हमें उन्नत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की ओर छलांग लगाने में मदद कर रही है।

भारत लंबे समय से डिजाइन टैलेंट का केंद्र रहा है। दुनिया के 20% से ज़्यादा चिप डिजाइनर यहीं हैं। अब भारत 2 नैनोमीटर (एनएम), 3 एनएम और 7 एनएम जैसे एडवांस्ड चिप्स डिजाइन करने में सक्षम है। ये चिप्स भारत में डिजाइन होकर दुनिया भर के लिए बनाए जा रहे हैं।

वर्तमान में फैब्स और पैकेजिंग फैसिलिटीज बनाने पर फोकस करना इस प्राकृतिक विकास का अगला कदम है। लेकिन यह सोच केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। सेमीकंडक्टर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स, गैस और विशेष सामग्री को भी समर्थन दिया जा रहा है।

इससे केवल फैक्ट्रियों नहीं, बल्कि एक पूरा ईकोसिस्टम खड़ा हो रहा है। यह सब प्रधानमंत्री मोदी की वैल्यू चेन की गहरी समझ से संभव हुई है। क्षमता को कदम-दर-कदम विकसित करना और हर चरण को मजबूत बनाना, उसके बाद ही अगले स्तर पर बढ़ना।

बुद्धिमत्ता से युक्त बुनियादी ढाँचा

पीएम गति शक्ति पोर्टल जीआईएस तकनीक का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करता है। हर बुनियादी ढांचे की परियोजना डिजिटल रूप से मैप की जाती है। सड़कें, रेल, हवाई अड्डे और बंदरगाह अब साथ में योजना बनाकर तैयार होते हैं। अब अलग-अलग विभागों में बिखरा काम नहीं, और न ही तालमेल की कमी से होने वाली देरी।

इंडिया एआई मिशन के तहत 38,000 से अधिक जीपीयू उपलब्ध कराए गए हैं, वह भी वैश्विक लागत के एक-तिहाई दाम पर। इससे स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और छात्रों को सिर्फ 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर सिलिकॉन वैली जैसी कंप्यूटिंग सुविधा मिली है।

एआईकोश प्लेटफॉर्म पर 2000 से ज़्यादा डेटा सेट मौजूद हैं। मौसम से लेकर मिट्टी की सेहत तक। इन्हीं की मदद से भारत की भाषाओं, कानूनों, स्वास्थ्य प्रणालियों और वित्त क्षेत्र के लिए स्थानीय एलएलएम विकसित किए जा सकते हैं।

तकनीक को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की समझ भारत की अनूठी एआई रेगुलेशन नीति में भी दिखाई देती है। दुनिया के केवल बाजार-आधारित या सरकार-नियंत्रित मॉडल से अलग, वे एक विशिष्ट टेक्नो-लीगल फ्रेमवर्क की कल्पना करते हैं।

सख्त नियम बनाकर नवाचार को रोकने के बजाय, सरकार तकनीकी सुरक्षा उपायों में निवेश करती है। विश्वविद्यालय और आईआईटी मिलकर डीपफेक, गोपनीयता और साइबर सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए एआई-आधारित उपकरण विकसित कर रहे हैं। यह दृष्टिकोण नवाचार को बढ़ावा देता है और साथ ही सुनिश्चित करता है कि तकनीक जिम्मेदारी के साथ लागू हो।

बुनियादी ढाँचे में तकनीक

केवड़िया में बनी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी 182 मीटर ऊंची है। यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। 3डी मॉडलिंग और ब्रॉन्ज क्लैडिंग तकनीक से बनी यह प्रतिमा हर साल लगभग 58 लाख पर्यटकों को आकर्षित करती है। इस परियोजना से हजारों नौकरियाँ बनीं और केवड़िया एक बड़ा पर्यटन केंद्र बन गया।

चिनाब पुल 359 मीटर ऊंचा है, जो कश्मीर को भारत के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। आइजोल रेल लाइन कठिन पहाड़ी इलाके से होकर गुजरती है और इसमें हिमालयन टनलिंग मेथड का प्रयोग किया गया है, जिसमें कई सुरंगें और पुल शामिल हैं। नया पंबन पुल सौ साल पुराने ढांचे की जगह आधुनिक इंजीनियरिंग से बनाया गया है।

ये सिर्फ इंजीनियरिंग की अद्भुत कृतियां नहीं हैं, बल्कि यह मोदी जी की उस सोच को दर्शाते हैं जिसमें तकनीक और दृढ़ संकल्प के सहारे भारत को जोड़ा जा रहा है।

मानव जुड़ाव

प्रधानमंत्री मोदी तकनीक को समझते हैं, लेकिन इंसानों को उससे भी बेहतर समझते हैं। उनकी अंत्योदय की सोच ही हर डिजिटल पहल को आगे बढ़ाती है। यूपीआई कई भाषाओं में काम करता है। सबसे गरीब किसान और सबसे अमीर उद्योगपति, दोनों की एक जैसी डिजिटल पहचान है।

सिंगापुर से लेकर फ्रांस तक कई देश यूपीआई से जुड़े हैं। जी-20 ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को समावेशी विकास के लिए अहम् माना है। जापान ने इसके लिए पेटेंट भी दिया है। जो शुरुआत में भारत का समाधान था, वही अब पूरी दुनिया के लिए डिजिटल लोकतंत्र का मॉडल बन गया।

गुजरात में शुरुआती प्रयोगों से लेकर डिजिटल इंडिया के शुभारंभ तक की यात्रा यह दिखाती है कि तकनीक में बदलाव लाने की शक्ति है। मोदी जी ने तकनीक को शासन की भाषा बना दिया है। उन्होंने साबित किया है कि जब नेता तकनीक को इंसानियत के साथ अपनाते हैं, तो पूरा देश भविष्य की ओर बड़ी छलांग लगा सकता है।

(अश्विनी वैष्णव, रेल, आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री, भारत सरकार)

Scanned with OKEN Scanner

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ श्री सतीश कुमार द्वारा पटना-मोकामा-राजेंद्रपुल रेलखंड का किया गया विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण - राजेंद्रपुल के समानांतर गंगा नदी पर निर्माणाधीन नए रेल पुल का भी लिया जायजा

सूत्र/ रे.स.ब्यू- रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार द्वारा 14 सितंबर, 2025 को पटना-मोकामा-राजेंद्रपुल रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान उन्होंने इस रेल खण्ड पर संरक्षा, सिगनलों की दृश्यता, रेलवे ट्रैक के रख-रखाव, ट्रैक की समुचित बैलास्टिंग, ट्रैक स्क्रीनिंग, ओवरहेड ट्रैक्शन व एलाइनमेंट एवं ट्रैक फिटिंग्स आदि का मुआयना किया।

इस क्रम में उन्होंने राजेंद्रपुल के समानांतर गंगा नदी पर निर्माणाधीन नए रेल पुल का भी जायजा लिया एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड द्वारा सोनपुर मंडल के नारायणपुर एवं पसराहा स्टेशन के मध्य कि. मी. संख्या 88/20 पर रेलवे ट्रैक के रख-रखाव सहित संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का गहन मुआयना किया गया ।

निरीक्षण के दौरान पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह सहित अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे।

कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 3,169 करोड़ रुपए की लागत से भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन खंड (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी

सूत्र/ रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट एकल रेलवे लाइन खंड (177 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है।

इस बढ़ी हुई लाइन क्षमता से परिवहन में सुधार होगा जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बढ़ेगी। इस मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी जिससे भारतीय रेलवे के इन सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास संभव होगा। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से ''आत्मनिर्भर'' बनाएगा और उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा।

ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के साथ परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएं रेल यातायात के साथ-साथ सामानों की ढुलाई के लिए भी निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच जिलों को कवर करने वाली इस परियोजना से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 177 किलोमीटर की वृद्धि होगी। यह परियोजना खंड, देवघर (बाबा बैद्यनाथ धाम), तारापीठ (शक्ति पीठ) आदि जैसे प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क प्रदान करता है।

मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 441 गांवों और 28.72 लाख आबादी तथा तीन आकांक्षी जिलों (बांका, गोड्डा और दुमका) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

कोयला, सीमेंट, उर्वरक, ईंट और पत्थर आदि जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। इन क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 15 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक लागत, तेल आयात (5 करोड़ लीटर) और सीओ2 उत्सर्जन (24 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद करेगा, जो एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

04652/04651 अमृतसर-जयनगर-अमृतसर विशेष गाड़ी का 02 मिनट का अस्थाई ठहराव।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 04652/04651 अमृतसर-जयनगर-अमृतसर विशेष गाड़ी का 02 मिनट का अस्थाई ठहराव उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल के जलंधर कैंट एवं लुधियाना स्टेशनों तथा पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के फेफना, बलिया, सहतवार एवं बकुलहा स्टेशनों पर निम्नवत प्रदान किया गया है।

अमृतसर से 21 सितम्बर, 2025 से चलने वाली 04652 अमृतसर-जयनगर विशेष गाड़ी उत्तर रेलवे के जलंधर कैंट स्टेशन से 12:05 बजे एवं लुधियाना स्टेशन से 13:00 बजे तथा दूसरे दिन पूर्वोत्तर रेलवे के फेफना स्टेशन से 10:13 बजे, बलिया से 10:30 बजे, सहतवार से 10:55 बजे तथा बकुलहा से 11:17 बजे छूटेगी।

जयनगर से 23 सितम्बर, 2025 से चलने वाली 04651 जयनगर-अमृतसर एक्सप्रेस पूर्वोत्तर रेलवे के बकुलहा स्टेशन से 11:45 बजे, सहतवार से 12:07 बजे, बलिया से 12:27 बजे, फेफना से 12:45 बजे तथा दूसरे दिन उत्तर रेलवे के लुधियाना स्टेशन से 12:05 बजे, जलंधर कैंट से 13:05 बजे छूटेगी। यात्री सुविधा का लाभ लेते हुए स्पेशल ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

अजमेर-बेंगलुरु-अजमेर एवं बेंगलुरु-भगत की कोठी-बेंगलुरु रेलसेवा का श्री सत्य साई प्रशांति निलयम स्टेशन पर अस्थाई ठहराव।

सूत्र/उत्तर पश्चिम रेलवे- रेलवे द्वारा भगवान श्री सत्य साई बाबा के वार्षिक आयोजन के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु अजमेर-बेंगलुरु-अजमेर एवं बेंगलुरु-भगत की कोठी-बेंगलुरु रेलसेवा का श्री सत्य साई प्रशांति निलयम स्टेशन पर अस्थाई ठहराव दिया जा रहा है। साथ ही बेंगलुरु-अजमेर व बेंगलुरु-भगत की कोठी रेलसेवाएं अस्थाई मार्ग परिवर्तित होकर संचालित होंगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसारः-

गाड़ी संख्या 16531, अजमेर-बेंगलुरु रेलसेवा जो दिनांक 17.11.25 से 24.11.25 को अजमेर से प्रस्थान करेगी वह श्री सत्य साई प्रशांति निलयम स्टेशन पर 22.28 बजे आगमन व 22.30 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 16533, भगत की कोठी-बेंगलुरु रेलसेवा जो दिनांक 16.11.25 से 30.11.25 तक भगत की कोठी से प्रस्थान करेगी वह श्री सत्य साई प्रशांति निलयम स्टेशन पर 22.28 बजे आगमन व 22.30 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 16532, बेंगलुरु-अजमेर रेलसेवा दिनांक 14.11.25 से 28.11.25 तक श्री सत्य साई प्रशांति निलयम स्टेशन पर 19.28 बजे आगमन एवं 19.30 बजे प्रस्थान करेगी। उपरोक्त अवधि में यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग वाया पेनुकोंडा- श्री सत्य साई प्रशांति निलयम स्टेशन-धर्मावरम होकर संचालित होगी।

गाड़ी संख्या 16534, बेंगलुरु-अजमेर रेलसेवा दिनांक 19.11.25 से 26.11.25 तक श्री सत्य साई प्रशांति निलयम स्टेशन पर 19.28 बजे आगमन व 19.30 बजे प्रस्थान करेगी। उपरोक्त अवधि में यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग वाया पेनुकोंडा- श्री सत्य साई प्रशांति निलयम स्टेशन-धर्मावरम होकर संचालित होगी।

आगामी माघ मेला 2026 की तैयारियों को लेकर प्रयागराज मंडल में प्रथम समन्वय बैठक संपन्न।

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज मंडल के संकल्प सभागार में दिनांक 10 सितंबर, 2025 को आगामी माघ मेला-2026 की तैयारियों के संबंध में प्रथम समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश अग्रवाल ने की।

बैठक में जिलाधिकारी प्रयागराज श्री मनीष कुमार वर्मा एवं एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस प्रयागराज श्री अजय पाल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) श्री दीपक कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) श्री नवीन प्रकाश, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री एम.एम. वारिस सहित प्रयागराज मंडल, लखनऊ मंडल एवं वाराणसी मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं मेला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। मेला प्रशासन की ओर से एडीएम मेला श्री दयानंद प्रसाद ने पावरप इंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से आगामी माघ मेला की तैयारियों की विस्तृत जानकारी साझा की।

बैठक में माघ मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन, विशेष ट्रेनों का संचालन, भीड़ प्रबंधन, यात्री सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था एवं अन्य यात्री सुविधाओं से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने एवं समयबद्ध कार्ययोजना सुनिश्चित करने पर बल दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सहज एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराया जा सके।

नवरात्रि और आधुनिक मन: उत्सव के शोर में मौन होती आध्यात्मिकता

नवरात्रि का आगमन केवल कैलेंडर पर बदलती एक तिथि नहीं है, यह ब्रह्मांडीय ऊर्जा के एक गहन चक्र का प्रारंभ है। यह नौ रात्रियाँ, जो आदिशक्ति के विभिन्न स्वरूपों को समर्पित हैं, मूलतः आत्म-रूपांतरण और आंतरिक शुद्धि की एक गूढ़ प्रक्रिया का प्रतीक हैं। पंडालों की चकाचौंध, डांडिया की खनक और उपवास के नए व्यंजनों के बीच हम आज उस नवरात्रि को जी रहे हैं जो बाहरी रूप से भव्य और मुखर है। लेकिन इस उत्सव के कोलाहल में क्या हम उस आध्यात्मिक संवाद को खो रहे हैं, जो इस पर्व का केंद्र है?

शक्ति की उपासना या शक्ति का प्रदर्शन?

नवरात्रि का सार 'शक्ति' की अवधारणा में निहित है। यह शक्ति केवल विध्वंस या भौतिक बल नहीं, बल्कि सृजन, संतुलन और आत्म-नियंत्रण की ऊर्जा है। माँ दुर्गा का महिषासुर पर विजय का आख्यान केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि हर मनुष्य के भीतर चल रहे शाश्वत द्वंद्व का एक शक्तिशाली रूपक है। महिषासुर हमारे भीतर का अनियंत्रित अहंकार, लोभ, क्रोध और हमारी आसक्तियाँ हैं। नवरात्रि की साधना वस्तुतः इन आसुरी प्रवृत्तियों पर अपनी दैवीय चेतना को विजय दिलाने का नौ दिवसीय अनुष्ठान है।

परंतु, आधुनिक समाज ने 'शक्ति' की परिभाषा को सीमित कर दिया है। आज शक्ति का अर्थ अक्सर सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक सामर्थ्य और भौतिक आकर्षण से लगाया जाता है। सोशल मीडिया के युग में, नवरात्रि की भक्ति 'प्रदर्शन' का एक मंच बन गई है। हमारा ध्यान इस बात पर केंद्रित हो गया है कि हमारे वस्त्र कितने पारंपरिक हैं, गरबा के स्टेप्स कितने हैं और हमारी तस्वीरें कितनी आकर्षक हैं। इस प्रदर्शनकारी संस्कृति में, आत्म-मंथन की प्रक्रिया गौण हो जाती है। व्रत का उद्देश्य इंद्रियों पर नियंत्रण साधना था, पर अब यह 'व्रत-स्पेशल थाली' के उपभोग तक सिमटता जा रहा है। यहाँ सवाल यह उठता है कि क्या हम शक्ति की 'उपासना' कर रहे हैं या अपनी सामाजिक 'शक्ति का प्रदर्शन'?

सामूहिक चेतना से व्यक्तिवादी उत्सव तक का सफर

परंपरागत रूप से, त्योहार सामूहिक चेतना को सुदृढ़ करने का माध्यम थे। गरबा का वृत्ताकार नृत्य जीवन के चक्रीय प्रवाह और ब्रह्मांडीय एकता का प्रतीक था, जहाँ हर व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत पहचान को विलीन कर एक लय में बंध जाता था। यह सामाजिक समरसता और जुड़ाव का एक गहरा अनुभव था।

इसके विपरीत, आज का उत्सव अधिक व्यक्तिवादी हो गया है। गरबा का वही वृत्त अब एक प्रतिस्पर्धा का मंच है, जहाँ सर्वश्रेष्ठ नर्तक और सर्वश्रेष्ठ पोशाक को पुरस्कृत किया जाता है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले 'लाइक्स' और 'कमेंट्स' उत्सव की सफलता का नया पैमाना बन गए हैं। इस व्यक्तिवाद की दौड़ में हम उस जुड़ाव को खो देते हैं जो त्योहारों की आत्मा हुआ करता था। हम भीड़ में होकर भी अकेले हैं, क्योंकि हमारा ध्यान स्वयं पर है, समूह पर नहीं।

देवी-पूजन का विरोधाभास और सामाजिक आत्मवंचना

सबसे गहन और असहज करने वाला प्रश्न देवी-पूजन और समाज में स्त्री की यथार्थ स्थिति के बीच का गहरा विरोधाभास है। हम नौ दिन तक कन्याओं में देवी का स्वरूप देखकर उनके चरण पूजते हैं, लेकिन शेष 356 दिन उसी स्त्री के प्रति हमारे समाज का दृष्टिकोण और व्यवहार क्या होता है? यह केवल एक पाखंड नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक 'आत्मवंचना' (self-deception) है।

क्या यह संभव है कि नवरात्रि का यह भव्य आयोजन हमारे समाज के लिए अपने अपराध बोध से मुक्त होने का एक वार्षिक मनोवैज्ञानिक उपचार बन गया है? नौ दिनों तक स्त्री-शक्ति के प्रति अधिकतम सम्मान प्रदर्शित करके, क्या हम अवचेतन रूप से वर्ष भर की अपनी विफलताओं और उदासीनता की भरपाई करने का प्रयास करते हैं? यह एक कठोर प्रश्न है, लेकिन आत्म-निरीक्षण के लिए आवश्यक है। जब तक हम देवी की प्रतीकात्मक पूजा को जीवित स्त्रियों के वास्तविक सम्मान में परिवर्तित नहीं करते, तब तक हमारी आराधना अधूरी और अर्थहीन है।

निष्कर्ष

नवरात्रि का पर्व आज एक दोराहे पर खड़ा है। एक रास्ता हमें भव्य आयोजन, व्यवसायीकरण और सतही उत्सव की ओर ले जाता है। दूसरा रास्ता हमें इसके मूल आध्यात्मिक सार-आत्म-संयम, आंतरिक संघर्ष पर विजय और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ एकात्मता की ओर लौटने के लिए प्रेरित करता है। चुनौती उत्सव का त्याग करना नहीं, बल्कि उत्सव के बीच उसके मर्म को खोजना है। चुनौती यह है कि हम डांडिया की तेज लय के बीच कुछ पल रुककर अपने भीतर के संगीत को सुनें। इस नवरात्रि, जब हम दीपक जलाएं, तो स्वयं से यह प्रश्न अवश्य करें: यह प्रकाश केवल पंडाल को रोशन करने के लिए है, या यह हमारे भीतर के अज्ञान और अहंकार के अंधकार को मिटाने का भी कोई संकल्प है? क्योंकि नवरात्रि का सच्चा जागरण बाहरी कोलाहल में नहीं, आंतरिक मौन में ही संभव है।

Scanned with OKEN Scanner

आईआरसीटीसी की भारत गौरव ट्रेन से करें पुरी, गंगा सागर और अयोध्या धाम की दिव्य यात्रा

सूत्र/ रे.स.ब्यू- देश के सबसे प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों की यात्रा करने के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए, आईआरसीटीसी (IRCTC) एक विशेष ''पुरी-जगन्नाथ, गंगा सागर अयोध्या धाम यात्रा'' लेकर आया है। यह 10-दिवसीय तीर्थ यात्रा भारत गौरव स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन द्वारा संचालित की जाएगी और 5 नवंबर, 2025 को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी।

यह यात्रा यात्रियों को एक ही टूर में कई प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन का अनूठा अवसर प्रदान करती है।

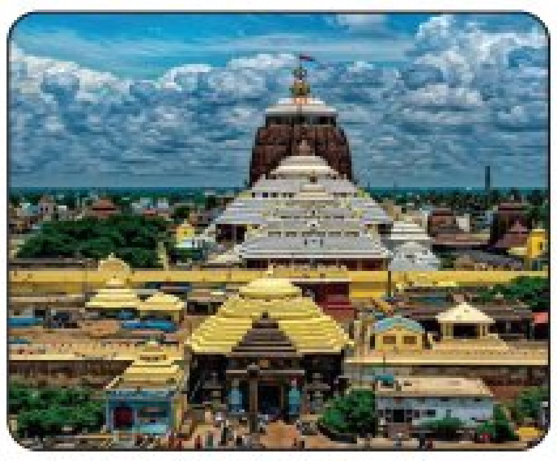

यात्रा की प्रमुख विशेषताएं:

पुरी-जगन्नाथ, गंगासागर अयोध्या धाम के दर्शन करें:

- **गया:** महाबोधि मंदिर और विष्णुपद मंदिर।
- **पुरी:** श्री जगन्नाथ मंदिर और सूर्य मंदिर (कोणार्क)।
- **कोलकाता:** गंगासागर और कालीघाट काली मंदिर।
- **जसीडीह:** बैद्यनाथधाम
- **वाराणसी:** काशी विश्वनाथ मंदिर
- **अयोध्या धाम:** श्री राम जन्मभूमि मंदिर

चढ़ने-उतरने के स्टेशन: दिल्ली-सफदरजंग - मथुरा जंक्शन - आगरा कैंट-ग्वालियर - वीरांगना लक्ष्मी-बाई कानपुर लखनऊ-अयोध्या कैंट

यात्र की अवधि एवं तिथियाँ:

- 09 रात / 10 दिन
- प्रस्थान: 05 नवंबर 2025 । वापसी: 14 नवम्बर 2025

श्रेणी एवं पैकेज दरें (GST सहित):

- स्लीपर (किफायती वर्ग): 20320/- | 640 सीटें
- 3AC (स्टैंडर्डवर्ग): 30785/- | 70 सीटें
- 2AC (कंफर्टवर्ग): 38240/- |50 सीटें

पैकेज में क्या शामिल है:

- कन्फर्म ट्रेन टिकट एवं सभी भोजन
- डबल/ट्रिपल शेयरिंग पर आराम दायक आवास
- स्थानांतरण एवं भ्रमण के लिए बस सुविधा
- ट्रेन में एस्कॉर्ट, हाउस कीपिंग, सुरक्षा एवं पैरामेडिकल सपोर्ट

बुकिंग कैसे करें

सीटें सीमित हैं। बुकिंग और अधिक जानकारी के लिए, यात्री आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट www.irctctourism.com पर जा सकते हैं या नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 16 पर स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा, बाराखंभा रोड स्थित आईआरसीटीसी के उत्तरी क्षेत्र कार्यालय से भी

करें चार ज्योतिर्लिंग व स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन

सूत्र/रे.स.ब्यू- चार ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी यात्रा' के लिए विशेष भारत गौरव एक्सप्रेस चलाने का फैसला लिया गया है। नौ दिवसीय यात्रा पैकेज में देश के चार प्रमुख ज्योतिर्लिंग मंदिरों के साथ आधुनिक भारत की पहचान बन चुके स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन कराया जाएगा।

इस भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का संचालन 25 अक्तूबर से शुरू होगा। यात्रा की शुरुआत अमृतसर से होगी और इसमें जालंधर, लुधियाना, चंडीगढ़, अंबाला, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली कैंट और रेवाड़ी से यात्री ट्रेन में सवार हो सकेंगे। इस यात्रा में उज्जैन के महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर, द्वारका के नागेश्वर तथा सोमनाथ (गिर-सोमनाथ) ज्योतिर्लिंग मंदिरों के साथ गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर और केवडिया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन कराया जाएगा।

ट्रेन में कुल 762 यात्री यात्रा कर सकेंगे। इन्हें इकोनॉमी, स्टैंडर्ड और कम्फर्ट श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। किराया 19,555 रुपये से 39,410 रुपये प्रति यात्री तक होगा। पैकेज में शाकाहारी भोजन, आवास, ट्रांसफर, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, बीमा और सुरक्षा की सुविधा दी जाएगी। हालांकि स्मारकों के प्रवेश शुल्क, व्यक्तिगत खर्च और टिप्स इसमें शामिल नहीं होंगे।

आईआरसीटीसी ने इस यात्रा को 'वन-स्टॉप स्पिरिचुअल और कल्चरल टूरिज्म पैकेज' के रूप में प्रचारित किया है। ज्योतिर्लिंग मंदिर जहां प्राचीन धार्मिक आस्था का प्रतीक हैं, वहीं स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आधुनिक भारत के राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक है।

आईआरसीटीसी ने यात्रियों को मान्य पहचान पत्र साथ लाने और यात्रा से पहले स्वास्थ्य की जांच कराने की सलाह दी है। कंपनी का मानना है कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के श्रद्धालुओं में इस पैकेज की भारी मांग रहेगी क्योंकि एक ही यात्रा में चार पवित्र ज्योतिर्लिंगों और एक राष्ट्रीय धरोहर का दर्शन संभव होगा।

आरक्षण आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट और चंडीगढ़ व दिल्ली स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों में किया जा सकता है।

एआई सर्वर, ड्रोन और मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाले सबसे उन्नत चिप्स, 2 नैनोमीटर चिप्स यहीं डिजाइन किए जाएँगे: श्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु में एआरएम के नए कार्यालय के उद्घाटन पर कहा।

वर्तमान भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स उधोग ₹ 11.5 लाख करोड़ का है: केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

सूत्र/रे.स.ब्यू- माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने 17 सितम्बर, 2025 को बेंगलुरु में सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़ी कंपनी, एआरएम के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। मंत्री महोदय ने कहा कि ''एआई सर्वर, ड्रोन और मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाले 2 नैनोमीटर के सबसे उन्नत चिप्स यहीं डिजाइन किए जाएँगे।''

उद्घाटन के बाद बोलते हुए, श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एआरएम की नई बेंगलुरु इकाई मोबाइल फोन सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के लिए 2 एनएम चिप्स डिजाइन करेगी। उन्होंने इसे भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

मंत्री ने कहा, ''हमारा उद्देश्य सेमी-कंडक्टर के साथ-साथ उनके लिए आवश्यक उपकरणों और सामग्रियों का डिजाइन और निर्माण करना है।'' यह एक बहुत लंबी दूरदर्शी प्रक्रिया है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस पर स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अगले 20 वर्षों के विजन के साथ, हमारे युवाओं और प्रतिभाशाली इंजीनियरों को दुनिया में सर्वोत्तम अवसर प्राप्त होंगे।''

मंत्री महोदय ने आगे कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में वृद्धि से सेमीकंडक्टर चिप्स की माँग दोगुनी हो रही है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री महोदय ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में छह गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में यह 11.5 लाख करोड़ का उद्योग है। निर्यात में आठ गुना वृद्धि हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के लिए प्रमुख निर्यात उत्पाद बन रहे हैं।

मोबाइल फोन और लैपटॉप की असेंबली से शुरू हुआ यह सफर अब उनके मॉडल, कंपोनेंट्स और तैयार उत्पादों के उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस सफर में बहुत व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। सेमीकंडक्टर सेक्टर एक ट्रिलियन डॉलर के उद्योग के रूप में विकसित हो रहा है और इसमें प्रतिभाओं की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यह एक उपयुक्त समय है। इसके लिए 278 संस्थान और विश्वविद्यालय काम कर रहे हैं और उनके छात्र सेमीकंडक्टर चिप्स के डिजाइन और इनोवेशन में लगे हुए हैं। वर्तमान में, 25 संस्थानों के छात्रों द्वारा डिजाइन की गई 28 चिप्स तैयार हो चुकी हैं। हमने भारत के सेमीकंडक्टर मिशन का पहला संस्करण व्यावहारिक रूप से पूरा कर लिया है और अब दूसरे संस्करण की ओर बढ़ रहे हैं।

इसमें सेमीकंडक्टर चिप्स के लिए आवश्यक उपकरणों और सामग्रियों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इससे पहले, दिन में, मंत्री महोदय ने सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरणों में प्रयुक्त उच्च परिशुद्धता वाले घटकों के निर्माण पर चर्चा की। कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड (CUMI) ने सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए उपकरणों के निर्माण में प्रयुक्त कुछ सामग्रियों का प्रदर्शन किया।

''स्वच्छता ही सेवा'' पखवाड़ा के अंतर्गत उप-मंडलीय रेलवे अस्पताल, कानपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम

सूत्र/ रे.स.ब्यू-''स्वच्छता ही सेवा'' पखवाड़ा के अंतर्गत उप-मंडलीय रेलवे अस्पताल, कानपुर में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. उमेश चंद्रा, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (स्वास्थ्य) के पर्यवेक्षण में किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेलवे कॉलोनियों एवं अस्पताल परिसर में स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर रेलवे अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता का संदेश दिया गया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रवींद्र प्रसाद ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि "स्वच्छता और वृक्षारोपण एक स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। ऐसे प्रयासों से हम न केवल अपने पर्यावरण को सुरक्षित बना सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी प्रदान कर सकते हैं।"

डॉ. रेखा ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष न केवल हमें प्राणवायु (ऑक्सीजन) प्रदान करते हैं, बल्कि वातावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्वच्छता और हरियाली को अच्छे स्वास्थ्य के लिए अत्यावश्यक बताया।

इस अवसर पर डॉ. सरिता चौधरी, डॉ. वैषाली, डॉ. अंकिता राजपूत सहित अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की। साथ ही स्वास्थ्य निरीक्षक जितेंद्र कुमार, विमल कान्त, विष्णु प्रकाश, सत्याम कटियार, श्री अमर सिंह गौतम, श्री अजय प्रताप सिंह एवं श्री अमित कुमार (मुख्य रेडियोग्राफर) ने भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में योगदान दिया।

यह कार्यक्रम ''स्वच्छता ही सेवा'' पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण की दिशा में रेलवे अस्पताल, कानपुर का एक प्रेरणादायक कदम रहा। इसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इसे सफल बनाया।

संपादकीय

स्वच्छता ही सेवा: स्वच्छ रेल के निर्माण में रेल यात्री कैसे बनें भागीदार?

देश भर में एक बार फिर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का बिगुल बज चुका है। यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसका उद्देश्य महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करना है। इस जन-आंदोलन में भारतीय रेलवे की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो देश की जीवन रेखा है और करोड़ों लोगों को प्रतिदिन उनके गंतव्य तक पहुंचाती है। रेलवे ने स्टेशनों, पटरियों और ट्रेनों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए 'स्वच्छता पखवाड़ा' जैसे कई सराहनीय कदम उठाए हैं, लेकिन इस मिशन की सफलता अकेले रेलवे प्रशासन के प्रयासों से संभव नहीं है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण योगदान रेल यात्रियों का है, जो इस अभियान की आत्मा हैं।

यह समझना आवश्यक है कि एक रेल यात्री केवल एक ग्राहक नहीं, बल्कि स्वच्छ रेल यात्रा का एक जिम्मेदार हितधारक भी है। उनका छोटा सा प्रयास स्वच्छता के स्तर में बड़ा बदलाव ला सकता है। अक्सर देखा जाता है कि ट्रेनों और स्टेशनों पर गंदगी का मुख्य कारण हमारी और आपकी छोटी-छोटी लापरवाहियां होती हैं। पानी की खाली बोतलें, चिप्स के पैकेट और खाने के अवशेष डिब्बे में या स्टेशन पर कहीं भी फेंक देना एक आम आदत बन गई है। इस मानसिकता को बदलने की तत्काल आवश्यकता है।

भारतीय रेलवे 'ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस' (OBHS) और 'कोच मित्र' जैसी सुविधाएं प्रदान कर रहा है, जिनका उपयोग यात्री कोच की सफाई संबंधी समस्याओं के लिए कर सकते हैं। लेकिन यह सुविधाएं तभी प्रभावी होंगी जब हम स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनेंगे।

अंततः, स्वच्छ रेल और स्वच्छ स्टेशन हमारी राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक हैं। जब हर एक यात्री यह मान लेगा कि ट्रेन और स्टेशन उसका अपना घर हैं, तो उन्हें गंदा करने का विचार भी मन में नहीं आएगा। आइए, इस 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान को केवल एक पखवाड़े तक सीमित न रखकर अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और एक 'स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत' के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें।

स्वच्छता अभियान में यात्रियों का योगदान

यात्री कई सरल लेकिन प्रभावशाली तरीकों से इस स्वच्छता यज्ञ में अपनी आहुति दे सकते हैं:

- **कचरे का सही निस्तारण:** सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम कचरे को निर्धारित कूड़ेदान में ही डालना है। हर कोच में और स्टेशन पर कूड़ेदान की व्यवस्था होती है। यदि कूड़ेदान भरा हो या न मिले, तो कचरे को अपने पास एक छोटे बैग में रखें और गंतव्य पर पहुंचकर कूड़ेदान में डालें।
- **शौचालयों का विवेकपूर्ण उपयोग:** ट्रेन के शौचालयों को साफ रखना एक सामूहिक जिम्मेदारी है। उपयोग के बाद पानी का इस्तेमाल करें ताकि वह अगले यात्री के लिए भी स्वच्छ रहे।
- **'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' का संकल्प:** 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत 'श्रमदान' की अवधारणा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यात्री चाहें तो यात्रा के दौरान अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ रखने का संकल्प ले सकते हैं और अन्य सह-यात्रियों को भी इसके लिए प्रेरित कर सकते हैं।
- **कम प्लास्टिक का उपयोग:** यात्रा के दौरान प्लास्टिक की थैलियों और एकल-उपयोग प्लास्टिक की वस्तुओं का प्रयोग कम से कम करें। घर से कपड़े का थैला या दोबारा इस्तेमाल हो सकने वाली बोतलें लेकर चलना एक बेहतरीन विकल्प है।
- **जागरूकता फैलाना:** यदि कोई सह-यात्री गंदगी फैला रहा है, तो उससे विनम्रतापूर्वक ऐसा न करने का आग्रह करें। बच्चों को भी शुरू से ही स्वच्छता के संस्कार देना आवश्यक है।

Scanned with OKEN Scanner

आयुर्वेद दिवस 2025 के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) द्वारा बाइक रैली का आयोजन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA), नई दिल्ली ने 17 सितम्बर, 2025 को आयुर्वेद दिवस 2025 के उपलक्ष्य में एक बाइक रैली का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस वर्ष का विषय ''जन-जन के लिए आयुर्वेद, धरती के लिए आयुर्वेद'' था, जिसके माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन और पर्यावरणीय संतुलन में आयुर्वेद की भूमिका को रेखांकित किया गया।

रैली का शुभारंभ प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार प्रजापति, निदेशक, AIIA द्वारा संस्थान परिसर से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर की शोभा बढ़ाने हेतु पूर्व निदेशक (प्रभारी) प्रो. (डॉ.) मंजुषा राजगोपाल, विभिन्न विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी शोधार्थी तथा संस्थान के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों ने AIIA परिसर से आयुष मंत्रालय तक बाइक रैली निकाली और हाथों में आयुर्वेद दिवस का लोगो तथा विषय दर्शाते हुए झंडे लेकर यात्रा की। यह रैली निवारक स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बनी।

इस अवसर पर निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि ''यह रैली आयुर्वेद के शाश्वत संदेश 'संतुलन' को दर्शाती है न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए, बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य के लिए भी। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम युवाओं और नागरिकों को आयुर्वेद को जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।''

यह रैली आगामी 23 सितम्बर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के लिए एक प्रभावी भूमिका सिद्ध हुई। हाल ही में भारत सरकार द्वारा यह तिथि प्रतिवर्ष आयुर्वेद दिवस के रूप में निश्चित की गई है, ताकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे समान रूप से मनाया जा सके। यह तिथि शरद संपात (Autumnal Equinox) के दिन आती है, जो प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है और आयुर्वेद के मूल दर्शन को प्रतिबिंबित करती है।

आयुष मंत्रालय और AIIA निरंतर जागरूकता कार्यक्रमों, प्रशिक्षण पहलों और सहयोगात्मक गतिविधियों के माध्यम से आयुर्वेद को मुख्यधारा स्वास्थ्य प्रणाली और सतत जीवन शैली से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आयुष मंत्रालय महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री के "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान'' में शामिल हुआ

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किए जा रहे राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' में भाग ले रहा है। यह 16-दिवसीय अभियान महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और विभिन्न बीमारियों की जांच के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें राज्य और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, अनुसंधान संस्थान, उद्योग और गैर-सरकारी संगठन जैसे विभिन्न हितधारक शामिल हैं।

अभियान के तहत, गैर-संचारी रोगों (NCDs), कैंसर, एनीमिया, तपेदिक और सिकल सेल रोग के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे। साथ ही, मात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर भी ध्यान दिया जाएगा। आयुष उपचारों को एनीमिया, NCDs और पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज (PCOD) पर केंद्रित किया जाएगा। अभियान में पोषण और स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम, रक्तदान अभियान, जीवनशैली परामर्श, योग सत्र और 'प्रकृति परीक्षण' के लिए समर्पित कियोस्क भी शामिल होंगे।

यह अभियान व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए स्कूलों में शिविर, रेडियो, टेलीविजन और सोशल मीडिया अभियानों का उपयोग करेगा। महिलाओं को घरेलू उपचार और पोषण किट दिए जाएंगे, और औषधीय पौधों एवं हर्बल चाय के लाभों के बारे में जानकारी दी जाएगी। अभियान का उद्देश्य आयुर्वेद-प्रेरित कार्यक्रमों और योग के माध्यम से कॉर्पोरेट बर्नआउट का मुकाबला करना भी है।

पंचायत स्तर पर स्वयं सहायता समूह जागरूकता रैलियां और शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित करेंगे। अभियान का लक्ष्य गर्भावस्था से लेकर प्रशामक देखभाल तक महिलाओं के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करना है। एनीमिया मुक्त महिलाएं, स्वस्थ मां, तनाव मुक्त महिलाएं, हर्बल पोषण और हड्डियों के स्वास्थ्य जैसे विषयों पर दैनिक आयुष स्वास्थ्य सुझाव सोशल मीडिया पर साझा किए जाएंगे, ताकि महिलाओं को अपनी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को प्रभावी ढंग से दूर करने में मदद मिल सके।

हिंदी दिवस: सिर्फ एक भाषा नहीं, हमारी पहचान और गौरव का प्रतीक

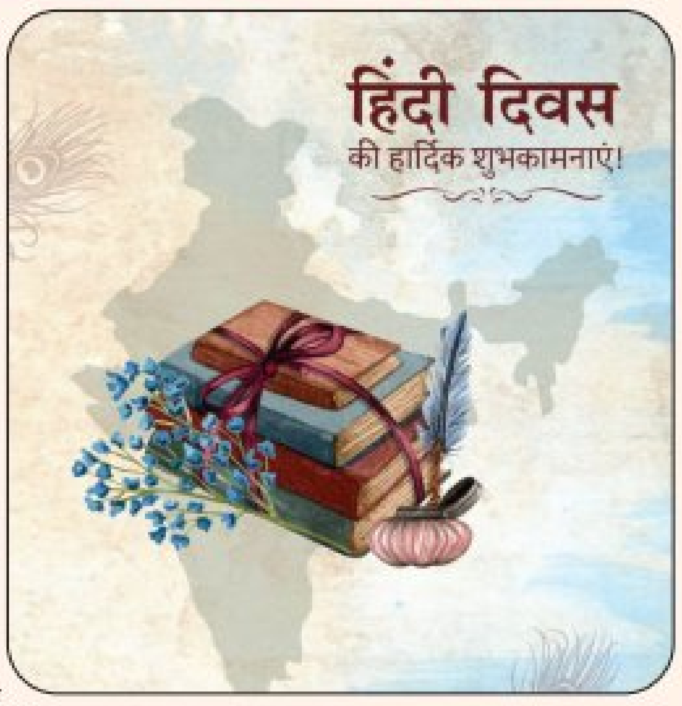

हर साल 14 सितंबर को पूरा देश 'हिंदी दिवस' मनाता है। यह केवल एक औपचारिक दिन नहीं, बल्कि अपनी भाषा के प्रति सम्मान और प्रेम व्यक्त करने का एक विशेष अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान, एकता और गौरव का एक अभिन्न अंग है।

क्यों महत्वपूर्ण है हिंदी?

हिंदी दिवस का ऐतिहासिक महत्व 14 सितंबर 1949 से जुड़ा है, जब भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी ने पूरे देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया था। यह वह भाषा थी जिसने विभिन्न प्रांतों के लोगों के बीच संवाद का पुल बनाया और राष्ट्रीयता की भावना को मजबूत किया। महात्मा गांधी जैसे नेताओं ने भी हिंदी को 'जनमानस की भाषा' माना था।

अनेकता में एकता का सूत्र

भारत एक बहुभाषी देश है, जहाँ सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। ऐसे में हिंदी एक 'संपर्क भाषा' के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम करती है। जब अलग-अलग राज्यों के लोग मिलते हैं, तो हिंदी अक्सर उनके बीच बातचीत को सरल बनाती है, जिससे भाषाई बाधाएँ दूर होती हैं।

क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान है आवश्यक

हिंदी को बढ़ावा देने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि हम अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को कम महत्व दें। भारत की असली ताकत उसकी भाषाई विविधता में ही निहित है। हर क्षेत्रीय भाषा का अपना समृद्ध साहित्य, इतिहास और संस्कृति है, जिसका संरक्षण और सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। हिंदी का उद्देश्य अन्य भारतीय भाषाओं की जगह लेना नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता को और मजबूत करना है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन और क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय विभागीय शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में संपन्न हुआ

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय विभागीय शिखर सम्मेलन 4 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) में संपन्न हुआ। इस शिखर सम्मेलन का विषय ''राष्ट्रीय आयुष मिशन और राज्यों में क्षमता निर्माण'' था, जिसमें देश भर के वरिष्ठ नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य अधिकारियों और विशेषज्ञों ने आयुष प्रणाली को मजबूत करने पर चर्चा की।

शिखर सम्मेलन का उद्घाटन 3 सितंबर को केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने किया था। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने राष्ट्रीय आयुष मिशन (NAM) के माध्यम से किफायती और समावेशी आयुष सेवाओं के विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने दो प्रमुख सुविधाओं का भी उद्घाटन किया बीमा दावों में जनता की मदद के लिए एक परियोजना प्रबंधन इकाई (PMU) और आयुर्वेद शिक्षण एवं संचार के लिए एक उन्नत डिजिटल केंद्र। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) और राष्ट्रीय आयुष मिशन (NAM) के बीच तालमेल के महत्व पर जोर दिया।

शिखर सम्मेलन में छह प्रमुख क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा हुई, जिनमें वित्तीय प्रबंधन, आधुनिक स्वास्थ्य सेवा के साथ आयुष का एकीकरण, मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचे का विकास, दवाओं की गुणवत्ता आश्वासन और डिजिटल सेवाएँ शामिल थीं। समापन सत्र में, आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने ''हर घर आयुर्योग'' पहल के माध्यम से जीवनशैली में व्यवहारगत परिवर्तन लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आगामी वित्तीय चक्र में राष्ट्रीय आयुष मिशन को मजबूत करने के लिए नवीन प्रस्ताव लाने का आग्रह किया।

सचिव ने कुछ प्रमुख प्राथमिकताओं को भी रेखांकित किया, जैसे AIIA जैसे 10 और संस्थानों की स्थापना करना और आयुष अनुसंधान परिषदों के साथ सहयोग बढ़ाना। उन्होंने एनएसएसओ सर्वेक्षण का हवाला दिया, जिसमें नागरिकों के बीच 95% आयुष जागरूकता देखी गई, और राज्यों से इस जागरूकता को बुनियादी ढांचे, नवाचार और साझेदारी के माध्यम से कार्य में बदलने का आह्वान किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के उप महानिदेशक डॉ. ए. रघु ने राज्यों से इस क्षेत्र में समन्वित विकास सुनिश्चित करने के लिए समर्पित आयुष विभागों के निर्माण पर विचार करने का आग्रह किया। यह शिखर सम्मेलन आयुष पारिस्थितिकी तंत्र में क्षमता निर्माण, एकीकरण और गुणवत्ता बढ़ाने की प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ।

केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने नई दिल्ली के एआईआईए में 'राष्ट्रीय आयुष मिशन और राज्यों में क्षमता निर्माण' पर विभागीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने 3 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) में 'राष्ट्रीय आयुष मिशन और राज्यों में क्षमता निर्माण' पर एक विभागीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल और आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा भी मौजूद थे। मंत्री श्री जाधव ने स्वास्थ्य सेवा के लिए एक मजबूत और समावेशी ढांचा बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जिसमें राज्य-विशिष्ट मानक संचालन प्रक्रियाएं (SOPs) विकसित करना शामिल है।

श्री जाधव ने कहा कि 2014 में अपनी स्थापना के बाद से, राष्ट्रीय आयुष मिशन ने किफायती और समावेशी स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा दिया है, जिसमें पूरे भारत में 12,500 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये केंद्र पारंपरिक ओपीडी-आधारित सेवाओं के बजाय निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 4 मार्च, 2024 को जारी किए गए भारतीय जन स्वास्थ्य मानक (IPHS) आयुष बुनियादी ढांचे और गुणवत्ता में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

एक बड़ी घोषणा करते हुए, श्री जाधव ने बताया कि आयुर्वेद दिवस अब हर साल 23 सितंबर को मनाया जाएगा, और इस वर्ष इसकी दसवीं वर्षगांठ ''लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद'' विषय के तहत मनाई जाएगी। उन्होंने राज्यों से इसे एक वैश्विक स्वास्थ्य पहल बनाने के लिए सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। इसके अलावा, उन्होंने AIIA में एक परियोजना प्रबंधन इकाई (PMU) की शुरुआत की घोषणा की जो आयुष-संबंधी बीमा मामलों में हितधारकों की सहायता करेगी। उन्होंने 'आयुर्विद्या उन्नत केंद्र' का भी उद्घाटन किया, जो आयुर्वेद शिक्षा और संचार के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल ने 'स्वस्थ भारत, विकसित भारत /2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आयुष की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने आधुनिक और पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों को एकीकृत करके जीवन प्रत्याशा को 71 से बढ़ाकर 85 वर्ष या उससे अधिक करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने राष्ट्रीय आयुष मिशन के बेहतर कार्यान्वयन, आयुष शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आयुष निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने बेहतर स्वास्थ्य और नीतिगत प्रभाव के लिए 'हर घर आयुर्वेद' और 'हर घर आयुर्योग' पहलों को राष्ट्रव्यापी रूप से अपनाने पर जोर दिया। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर के इनपुट पर चर्चा करना था, ताकि राष्ट्रीय आयुष मिशन को मजबूत और रणनीतिक रूप से विस्तारित किया जा सके।

आयुष मंत्रालय के पीसीआईएमएंडएच ने नियामक और गुणवत्ता पेशेवरों के लिए एएसयूएंडएच दवाओं पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय के भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी फार्माकोपिया आयोग (PCIM&H) ने 8 से 12 सितंबर, 2025 तक गाजियाबाद में अपने मुख्यालय में एक पाँच दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (ASU&H) औषधियों के नियामक ढांचे, गुणवत्ता आश्वासन और मानकीकरण प्रक्रियाओं को मजबूत करना था। इस प्रशिक्षण में भारत भर से नियामक निकायों, अनुसंधान परिषदों, दवा उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के 27 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन एनसीआईएसएम के पूर्व अध्यक्ष प्रो. (वैद्य) राकेश शर्मा ने किया, जिसमें एनसीएच के होम्योपैथी शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. तारकेश्वर जैन मुख्य अतिथि थे। सत्रों का संचालन PCIM&H के निदेशक डॉ. रमन मोहन सिंह ने किया।

प्रशिक्षण के दौरान, प्रतिभागियों ने कई तकनीकी सत्रों में भाग लिया। इनमें फार्माकोग्नोस्टिक पहचान, फाइटोकेमिकल विश्लेषण, और उत्तम विनिर्माण प्रथाओं (GMP) के अनुपालन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल था। तीसरे दिन, उन्होंने शेल्फ-लाइफ अध्ययन और नियामक ढांचे पर व्याख्यान सुने, जिसके बाद उन्होंने डॉ. विलमार श्वाबे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और हमदर्द लैबोरेटरीज का औद्योगिक दौरा किया। चौथे दिन, सूक्ष्म-जीव विज्ञानी मूल्यांकन, धातु और खनिज औषधियों का मानकीकरण, और नियामक पहलुओं पर सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने प्रयोगशाला प्रशिक्षण में भी हिस्सा लिया और परिसर में स्थित हर्बल गार्डन का दौरा किया। समापन सत्र की अध्यक्षता महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए.के. रामचंद्र रेड्डी ने की। इस सत्र में एनएबीएल मान्यता, जीएमपी और सिद्ध औषधियों के मानकीकरण पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में विशेषज्ञों के व्याख्यान, व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्रों और औद्योगिक दौरों के अनूठे मिश्रण की सराहना की। इस प्रशिक्षण ने ASU&H दवाओं की सुरक्षा, प्रभावकारिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। पिछले साल 150 से अधिक देशों की भागीदारी के आधार पर, इस साल का आयुर्वेद दिवस पारंपरिक और समग्र स्वास्थ्य प्रणालियों में भारत के नेतृत्व की पुष्टि करते हुए, एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है। यह उत्सव भारत के व्यापक कूटनीतिक और सांस्कृतिक आउटरीच के साथ मेल खाता है, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद को एक महत्वपूर्ण, साक्ष्य-आधारित और पृथ्वी के अनुकूल स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में स्थापित करना है।

Scanned with OKEN Scanner

Cabinet Approves ₹3,169 Crore Railway Doubling Project for Bhagalpur-Dumka-Rampurhat Section

Source/RSB- The Cabinet Committee on Economic Affairs chaired by the Prime Minister Shri Narendra Modi has approved the doubling of Bhagalpur – Dumka - Rampurhat single railway line Section (177 km) in Bihar, Jharkhand and West Bengal with total cost of Rs.3,169 crore (approx.).

The enhanced line capacity will improve mobility, providing enhanced efficiency and service reliability for Indian Railways. The multi-tracking proposal will ease operations and reduce congestion, providing the much-required infrastructural development on the busiest sections across Indian Railways. The projects are in line with the Prime Minister Shri Narendra Modiji's vision of a New India which will make people of the region "Atmanirbhar" by way of comprehensive development in the area which will enhance their employment/ self-employment opportunities.

The projects are planned on PM-Gati Shakti National Master Plan with focus on enhancing multi-modal connectivity & logistic efficiency through integrated planning and stakeholder consultations. These projects will provide seamless connectivity for movement of people, goods, and services.

The project covering five Districts in three states i.e. Bihar, Jharkhand and West Bengal will increase the existing network of Indian Railways by about 177 Kms.

Project section also provides rail connectivity to prominent destinations such as Deoghar (Baba Baidyanath Dham), Tarapith (Shakti Peeth) etc. attracting pilgrims & tourists from across the country.

Multi-tracking projects will enhance connectivity to approx. 441 villages and about 28.72 lakh population and three Aspirational Districts (Banka, Godda & Dumka).

This is an essential route for trans-portation of commodities such as coal, cement, fertilizers, bricks and stones etc. The capacity aug-mentation works will result in additional freight traffic of magnitude 15 MTPA (Million Tonnes Per Annum). The Railways being environment friendly and energy efficient mode of transportation, will help both in achieving climate goals and minimizing logistics cost of the country, reduce oil import (5 Crore Litres) and lower CO_2 emissions (24 Crore Kg) which is equivalent to plantation of 1 (One) Crore trees.

Major Boost to Agri Logistics: Indian Railways Begins Loading Fresh Apple Parcel Trains for Delhi

More Wagons to be Added if Demand Increases, Says Indian Railways; Daily Parcel Train to be Introduced from September 13 Between Badgam in Kashmir and Adarsh Nagar in Delhi

Source/RSB- Indian Railways has provided two Vehicle Parcel (LVPH coaches) train for the transportation of apples. These Vehicle Parcel will be loaded on 11th September, 2025, and each will carry 23 metric tonnes (MT) of apples. Indian Railways is ready to provide additional Vehicle Parcel if demand is received.

The Principal Chief Commercial Manager of Northern Railway and Divisional Railway Manager of Jammu Division are in constant touch with state authorities, the horticulture department, fruit growers' associations, and traders.

As the major apple season begins, Indian Railways is introducing a daily time-tabled parcel train between Badgam and Adarsh Nagar from 13th September. This train will provide flexibility to individual traders and fruit growers to book one Vehicle Parcel online through the portal www.fois.indianrail.gov.in.

A notification for an 8 Vehicle Parcel (VP) daily time-tabled Joint Parcel Product- Rapid Cargo Service parcel train Adarsh Nagar-Bari Brahman-Badgam (Ex ANDI - BBMN - BDGM) has already been issued. This 8 Vehicle Parcel train will originate from Badgam Railway Station (BDGM) at 6:15 AM and reach Adarsh Nagar Railway Station (ANDI) at 5:00 AM the next day, which is a very suitable time for apples to arrive at the Delhi market early in the morning.

Indian Railways is also providing the facility to attach Vehicle Parcel at intermediate stations. Indian Railways is ready to run more such trains if further demand is received. On August 9th, the first freight train carrying 21 wagons of cement successfully reached the Anantnag Goods Shed in the Kashmir Valley from Punjab, marking a significant milestone in connecting the region to the national freight network. This development will accelerate infrastructure projects across Kashmir and reduce costs for citizens living in the Kashmir Valley. It underscores Indian Railways' commitment to boosting economic growth in the region.

The cargo services will be operational on the Udhampur-Srinagar-Baramulla Rail Link connecting Kashmir valley with the rest of India. This rail link was inaugurated by the Prime Minister in June this year. This rail link also operates two Vande Bharat trains between Katra and Srinagar, both running at over 100% occupancy. These trains offer passengers accessible, affordable, and comfortable travel while elevating railway transport to a whole new level.

Shri Sanjay Kumar Srivastava, General Manager, SCR holds Safety Review Meeting

Source/SCR- Shri Sanjay Kumar Srivastava, General Manager of South Central Railway, convened a comprehensive Safety Review Meeting on September 1, 2025, at Rail Nilayam, Secunderabad, underscoring SCR's unwavering commitment to safe train operations. The session was attended by Shri Satya Prakash, Additional General Manager, Principal Heads of Departments, and Divisional Railway Managers (DRMs) from all six divisions: Vijayawada, Guntakal, Guntur, Secunderabad, Hyderabad, and Nanded, who joined via video conference.

The General Manager placed strategic emphasis on safety measures across vulnerable operational zones, including:

- Train shunting operations and derailment prevention protocols
- Structural integrity of bridges and tunnels
- Signal visibility & alarm systems
- Track blanketing and ballasting
- Emergency equipment readiness

Special attention was given to Road Under Bridges (RUBs) prone to waterlogging, with directives to reinforce safety barriers, upgrade signaling systems, and ensure robust alarm mechanisms.

To elevate safety standards, Shri Srivastava instructed officials to:

- Conduct round-the-clock monitoring and frequent inspections at critical locations.
- Ensure immediate completion of repair work at vulnerable sites.
- Maintain accurate and up-to-date operational registers.
- Adhere strictly to Railway Board's guidelines for all safety-related activities.
- Implement staff sensitization programs, including group meetings and one-on-one counseling for safety category personnel.

The General Manager stated that all supervisors should constantly monitor field-level activity and that any issue should be attended to instantly and rectified at the earliest. He also advised the officials to adhere to the Railway Board's guidelines on taking up any safety activity. He concluded the meeting with instructions to train & sensitize the safety category staff through group meetings and individual counseling sessions.

RPF Recovers Stolen Gold Worth Rs. 4,25,000 at Vijayawada Railway Station

Source/SCR- The Railway Protection Force, Vijayawada along with Government Railway Police and Crime Investigation Bureau apprehended one accused & recovered 65 grams of stolen gold ornaments worth Rs.4,25,000 at Vijayawada on 10thSeptember, 2025.

A snatching incident was reported on Train No.12763 Padmavati Express on 23rd August, 2025. The Victim had reported the incident to Government Railway Police, Vijayawada and an FIR was registered for loss of a gold Mangal Sutra weighing about 40 grams, valued at Rs.4,00,000. On receiving the information, RPF team swung into action, verifying CCTV footage at Vijayawada station and local CCTV cameras. After meticulous efforts, the suspect was identified and it was concluded that he is a habitual offender.

A joint team of RPF and GRP personnel tracked the accused through details from his previous arrests. The Joint teams conducted searches in Jadcherla and Hyderabad areas, and on 10th September, 2025 at about 11.00 hrs, the accused was arrested in Vijayawada local area with recovery of stolen property in two snatching cases of GRP.

The Superintendent of Police, Suryapet in a letter to Principal Chief Security Commissioner, SCR appreciated the exemplary support and efforts of RPF, Vijayawada in successfully apprehending the accused within a short period of time. Their professionalism and commitment are high commendable, he stated.

Shri Sanjay Kumar Srivastava, General Manager, South Central Railway commended the tireless efforts and outstanding service of the RPF personnel. He stated that their dedication and timely action has helped to recover the stolen items and apprehend the accused within short period.

Property Recovered

- Case Registered under BNS of RPS, Vijayawada – Gold Mangal Sutra weighing about 40 gms, valued at Rs.4,00,000.
- Earlier Case Registered under BNS of RPS, Vijayawada – Gold Neththadu weighing about 25 gms, valued at Rs.25,000.

Three Ladies-Only Coaches Now Centrally placed in New Delhi – Panipat EMU for Enhanced Convenience of Ladies passengers

Source/NR- In a move aimed at enhancing comfort and accessibility for women commuters, Northern Railways has designated three continuous coaches in the middle of the rake of Train no. 64469/64470 New Delhi - Panipat, 12 Car EMU train exclusively for the convenience of female passengers. Previously, these Ladies coaches were positioned at 2nd and 11th, along with one in the middle-leading to inconvenience, due to their scattered placement in the rake. The recent reconfiguration, which consolidates all dedicated Ladies coaches together at the middle of the train, significantly improves boarding efficiency and passenger flow. This strategic coach realignment not only ensures safer and smoother boarding for women travellers but also simplifies oversight and improves overall commuter experience on this EMU route between Panipat Junction and New Delhi.

Indian Railways Connects Gateway of Northeast to Hills of Mizoram, A Major Boost for Northeast Connectivity

Source/RSB- In a landmark initiative to enhance regional connectivity, Indian Railways has announced the introduction of a new daily express train service directly linking Guwahati, the gateway of the Northeast, with Sairang in the hills of Mizoram. This much-awaited service is set to provide a comfortable, reliable, and accessible mode of transport for thousands of passengers.

The new service, named the Mizoram Express, will operate daily, ensuring consistent and convenient travel options for commuters, tourists, and business travelers between Assam and Mizoram.

The train will operate under the following numbers:

- **Train No. 15609:** Guwahati - Sairang Mizoram Express
- **Train No. 15610:** Sairang - Guwahati Mizoram Express Key

Stoppages for Passenger Convenience

To serve passengers along the scenic & crucial route, the Mizoram Express will have scheduled halts at the following stations:

- Jagiroad
- Chaparmukh Jn.
- Hojai
- Lumding Jn.
- Maibang
- New Haflong
- New Harangajao
- Badarpur Jn.
- Katakhal Jn.
- Hailakandi
- Bairabi

This new train service is expected to be a game-changer for the region, significantly boosting tourism, trade, and educational opportunities by bridging the distance between the two states. Passengers are advised to check official railway sources for fare details and booking schedules.

From October 1, Aadhaar Authentication Mandatory for Booking General Reserved Tickets Online via IRCTC Website/App During First 15 Minutes to Benefit Common End User & Prevent Misuse by Unscrupulous Elements

Source/RSB- With a view to ensure that the benefits of the reservation system reach the common end user and are not misused by unscrupulous elements, it has been decided that, with effect from 01.10.2025, during the first 15 minutes of the opening of general reservation, reserved general tickets can be booked through the website of Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC)/ its app only by Aadhaar-authenticated users.

There shall, however, be no change in the timings of booking of general reserved tickets through computerized PRS counters of Indian Railways at present. There shall also be no change in the timings of the restriction of 10 minutes of the opening of general reservation during which authorised ticketing agents of Indian Railways shall not be allowed to book opening day reserved tickets.

Scanned with OKEN Scanner

NALCO and RITES CMDs Review Kerejanga Railway Siding Project

Source/RSB- Shri B.P. Singh, CMD of NALCO, along with Shri Rahul Mithal, CMD of RITES Limited, and Shri Jagdish Arora, Director (P&T) of NALCO, visited the Railway Siding at Kerejanga to review the progress of the ongoing project.

This crucial infrastructure is being developed to facilitate the evacuation of 2 million tonnes of coal annually from the Utkal D & E Coal Mines directly to NALCO's Captive Power Plant (CPP) in Angul. The project is expected to significantly strengthen the company's logistics and operational efficiency upon completion.

Indian Railways Adopts Biometric System to Enhance Accountability of Ticket Staff

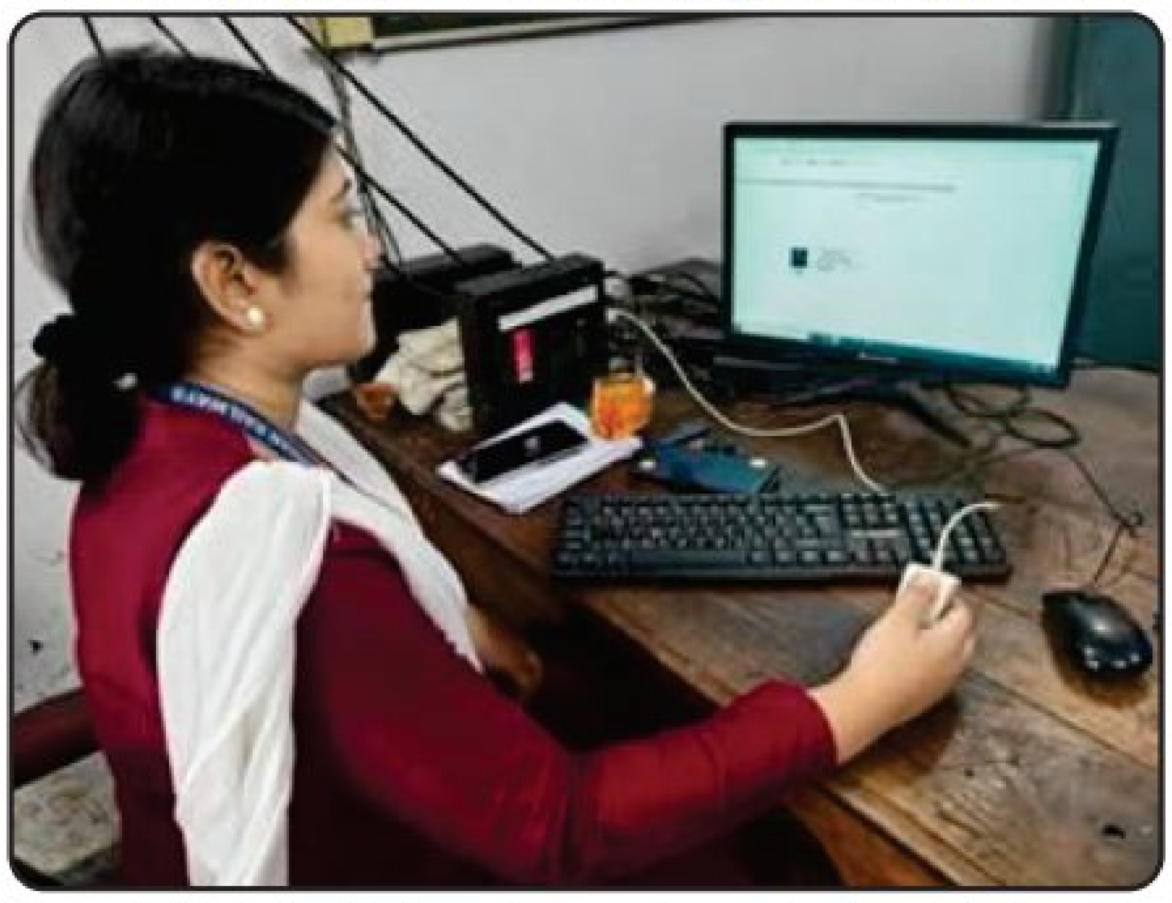

Source/PIB- Indian Railways has introduced a new biometric sign-on and sign-off system for its Ticket Checking staff, marking a significant stride towards modernizing railway operations and enhancing accountability. The first digital TTE lobby has been operational at Pt. Deen Dayal Upadhyaya Junction in East Central Railway on 29.08.25. This innovative system has been successfully implemented in Banaras Division of Northern Railway, Sonpur Division in East Central Railway, Ratlam Division in Western Railway, TTE lobbies at CSMT, Pune & Solapur in Central Railway, Malda Division in Eastern Railway, Mysuru Division in South Western Railway, Bhopal in West Central Railway, Madurai, Palakkad, Tiruchirappalli in Southern Railway, Kota Lobby in West Central Railway. North Central Railway, North Eastern Railway, North Western Railway zones have also rolled out the new system in a phased manner in various divisions. Jammu Division of Northern Railway is set to roll out the system soon.

The new system integrates biometric authentication with the Ticket Examiner (TTE) Lobby system, allowing staff to authenticate themselves using an Aadhaar-enabled biometric device. This ensures a tamperproof, transparent, privacy-compliant attendance process that accurately records working hours and duty status in real time.

The implementation of this system is a testament to Indian Railways' commitment to improving efficiency and transparency. The biometric sign-on/off system will not only streamline staff deployment but also significantly enhance the overall efficiency, transparency, and accountability of the ticket checking staff, ultimately improving the experience for all passengers.

Key Objectives of the Biometric System:

- **Authentic Attendance:** Ensures that attendance records are accurate and verifiable.
- **Real-Time Tracking:** Provides real-time data on staff availability and duty status, allowing for more efficient management.
- **Enhanced Monitoring:** Offers effective monitoring of working hours and lobby operations.
- **Seamless Integration:** Integrates with Hand Held Terminals (HHTs) and duty rosters for streamlined staff deployment.

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com
SCAN QR

NHSRCL Signs Agreement for Track related works for Mumbai Ahmedabad Bullet Train Project in Maharashtra

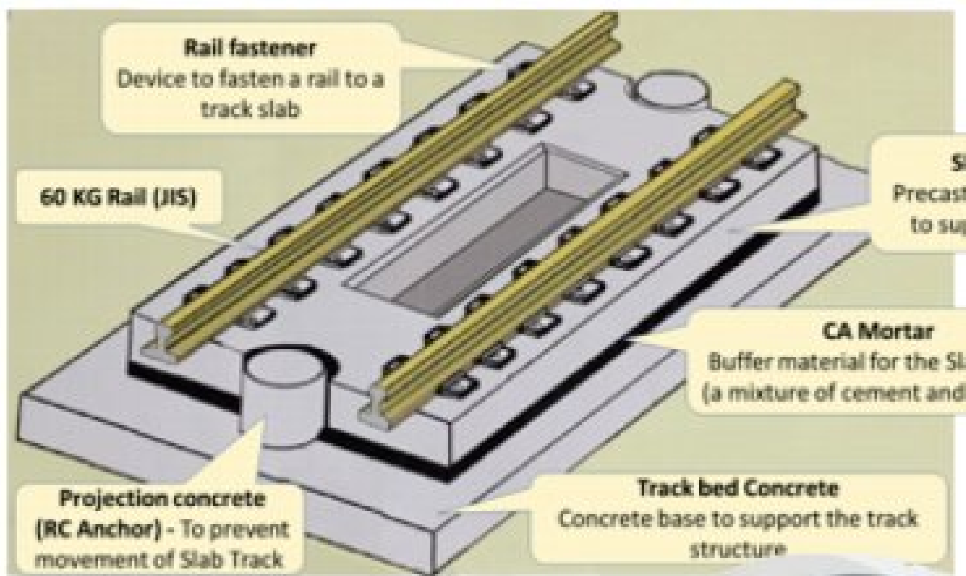

Source/NHSRCL- National High Speed Rail Corporation Limited signed an agreement with M/s Larsen & Toubro Limited for Design, Supply and Construction of Track and Track related Works including Testing and Commissioning for Double Line High Speed Railway' in the state of Maharashtra. Totalling about 157 route km alignment, the complete alignment between Mumbai Bullet Train station & Zaroli village at Maharashtra-Gujarat border also includes the track works for four (04) stations and rolling stock depot at Thane.

Work on track construction in Gujarat (under package T-2 & T-3) is progressing rapidly on more than 200 km of viaduct. All three track construction work related packages have been awarded to Indian companies, thus increasing India's overall expertise and knowhow in high speed rail track construction technology.

The ballast-less slab track system as used in Japanese HSR (Shinkansen) is being used for India's first HSR project (MAHSR). This track system consists of four main components viz. RC Track Bed, Cement Asphalt Mortar (CAM), Pre-cast Track Slab and Rails with Fasteners.

Under an MOU with NHSRCL, the Japan Railway Technical Service (JARTS) has conducted comprehensive training and certification programs for Indian engineers, work leaders, supervisors, and technicians. Covering 15 specialized modules, these programs focussed on key areas such as track slab manufacturing, RC track bed construction, slab track installation, and CAM installation.

Under the T-2 and T-3 packages in Gujarat, around 436 engineers have already been trained in these advanced techniques. A similar initiative is planned under this package to train engineers & supervisors in Maharashtra before the commencement of track works.

Project Progress as on 8th September 2025

- Viaduct construction: 320 km
- Pier works: 397 km
- Pier Foundation: 408 km
- 17 river bridges, 09 steel bridges & 05 PSC (pre stressed concrete) bridges are completed
- 4 lakhs noise barriers installed along 203 km of stretch
- 202 track km of track bed construction completed
- 1800 OHE masts installed covering approx. 44 km of mainline viaduct
- Work on 21 km tunnel between BKC and Shilphata in Maharashtra in progress
- Excavation work on 07 mountain tunnels in Palghar district in progress
- Superstructure work on all stations in Gujarat is at an advanced stage. Work started on all three elevated stations and base slab casting at Mumbai underground station in Maharashtra is in progress, thus increasing India's overall expertise and know-how in high speed rail track construction technology.

The ballast-less slab track system as used in Japanese HSR (Shinkansen) is being used for India's first HSR project (MAHSR). This track system consists of four main components viz. RC Track Bed, Cement Asphalt Mortar (CAM), Pre-cast Track Slab and Rails with Fasteners.

DMRC INTEGRATES 'BHIM VEGA' FOR SEAMLESS IN-APP UPI PAYMENTS VIA SARTHI APP

Source/DMRC- The Delhi Metro has launched DMRC Pay powered by BHIM, an in-app UPI payment feature within its Sarthi app, in partnership with NPCI BHIM Services Limited (NBSL). This new system, which uses the BHIM Vega platform, allows passengers to make one-click payments for tickets directly inside the app, removing the need for external payment gateways. It's a key move towards a more digital and cashless commute, making DMRC the first public sector entity to implement such a solution.

The integration lets commuters register their UPI IDs, link bank accounts or RuPay cards, and complete transactions seamlessly within the app. According to Vikas Kumar, the Managing Director of DMRC, this feature will save passengers time and streamline their ticketing experience, as part of the company's focus on creating a unified digital mobility solution. Lalitha Nataraj, the Managing Director of NBSL, highlighted that the collaboration aims to integrate UPI's convenience directly into the daily lives of millions of commuters, supporting public transport with faster and smarter digital services.

This advancement is part of a broader effort to provide a single digital platform for all public transport needs in the NCR. In addition to the new UPI ticketing, the Delhi Metro Sarthi app now offers other services, including booking tickets for the "Jai Hind Sound and Light Show" at the Red Fort, and integrated ticketing for the Noida Metro (NMRC) and DTC buses via ONDC. The app also allows for the recharging of Airtel Payments Bank's RuPay NCMC card, with an option to update the card balance directly on the phone.

The Delhi Metro's network serves around 7 million passengers daily, and over 70% of commuters already use digital ticketing. The integration of this new UPI system is expected to further boost digital adoption & reduce physical queues at stations. The move reinforces DMRC's commitment to using technology to simplify journeys and build a more interconnected public transport ecosystem.

Indian Railways has renamed Ahmednagar Railway Station as "Ahilyanagar" – A tribute to Lokmata Devi Ahilya Bai Holkar

Source/CR- Indian Railways has renamed Ahmednagar Railway station of Pune Division, Central Railway as Ahilyanagar as a tribute to Lokmata Devi Ahilya Bai Holkar. This is also in pursuant to the decision of the Government of Maharashtra to rename Ahmednagar as Ahilyanagar.

The station previously known as Ahmednagar has now been officially renamed as Ahilyanagar.

Accordingly, as per Government Of Maharashtra's notification and Surveyor General of India's letter, the new name of the station is to be read and written in the following manner:

- In Devanagari Script (Marathi): अहिल्यानगर
- In Devanagari Script (Hindi): अहिल्यानगर
- In Roman Script (English): AHILYANAGAR

There will be no change in the station code and Ahilyanagar will continue with the same station code ANG. Train services between Amalner(B) and Ahilyanagar are already in service.

The Amalner(B) - Beed new rail line will be inaugurated and the inaugural train between Beed and Ahilyanagar will be flagged off by Hon'ble Chief Minister, Hon'ble Dy Chief Minister and various dignitaries on 17.9.2025. The Beed - Amalner(B) section has 6 stations: Beed, Rajuri(Navgan), Raimoha, Vighanwadi, Jatnandur and Amalner(B).

Howrah DRM Inspects Key Stations, Calls for Speedy Completion of Redevelopment Projects

Source/RSB- In a significant push to modernize railway infrastructure, the Divisional Railway Manager (DRM) of Howrah recently conducted a series of inspections at Azimganj, Chandannagar, and Bolpur (Santiniketan) stations. These stations are currently undergoing major redevelopment as part of the ambitious Amrit Bharat Station Scheme.

During his visits, the DRM thoroughly reviewed the progress of the ongoing works at each location. He held meetings with officials onsite and stressed the critical importance of adhering to deadlines, urging them to ensure the timely completion of all projects. The redevelopment aims to transform these stations with modern facilities and improved passenger amenities.

Focus on Passenger Amenities and Healthcare- At Bolpur (Santiniketan) station, a key tourist and cultural hub, the DRM took the opportunity to interact directly with passengers. He listened to their concerns & suggestions, assuring them that significant improvements in passenger amenities are a top priority under the redevelopment plan.

In addition to station upgrades, the DRM also inspected the Azimganj Health Unit. Recognizing its vital role in providing healthcare to railway employees & their families, he interacted with doctors and medical staff. He emphasized the importance of the unit and discussed measures to maintain high standards of medical care.

IRCON Organised 'Swachhta Hi Seva 2025' Kick-off with Collective Pledge

Source/RSB-IRCON organised the commencement of its "Swachhta Hi Seva 2025" campaign on September 17th, an event marked by a collective Swachhta Pledge taken by its officers and staff. The gathering officially began a series of cleanliness and hygiene-focused activities planned by the organisation.

Through the pledge, IRCON employees formally committed to promoting and maintaining cleanliness, hygiene, and sustainability across their office premises. This initiative was aligned with the broader national objective of a cleaner India.

Embracing the motto "Swachh Rail, Swachh Bharat," the campaign at IRCON aimed to unite its workforce in a collective effort to foster a cleaner, greener, and healthier environment.

CONCOR Awarded Prestigious SKOCH Gold ESG Award 2025 for Green Initiatives

Source/PIB-Container Corporation of India (CONCOR) has been honoured with the prestigious SKOCH Gold ESG Award for 2025. The award recognizes the corporation's significant "Green Initiatives."

The award was presented at a formal function held in Delhi on September 20, 2025. The successful initiatives were implemented under the guidance of CONCOR's Chairman and Managing Director, Sh. Sanjay Swarup.

Sh. Swayambhu Arya, Executive Director (P&S), accepted the award on behalf of CONCOR at the ceremony.This achievement underscores CONCOR's steadfast commitment to building a sustainable and environmentally responsible logistics ecosystem for the future.

Indian Railway Kicks Off 'Swachhata Hi Seva' Campaign 2025 at New Delhi Railway Station

Source/RSB- The 'Swachhata Hi Seva' Campaign 2025 was officially launched on 17th September, 2025 at the Ajmeri Gate side of the New Delhi Railway Station by Shri Satish Kumar, Chairman and CEO of the Railway Board.

The event, which marks the start of a fortnight-long cleanliness drive across the Indian Railways network, saw Shri Satish Kumar administer a Swachhata Pledge to railway officers and staff at New Delhi station. Following the pledge, he actively participated in 'Shramdan' (voluntary labor) to contribute to the station's cleanliness.

The campaign, which will culminate on October 2nd, 2025, on Swachh Bharat Diwas, will feature a series of activities aimed at promoting cleanliness. The initiative emphasizes collective responsibility in maintaining a clean and hygienic environment. Ms. Aruna Nayar, Joint Secretary, Railway Board at Rail Bhavan administered the Swachchta pledge at Rail Bhavan to officers and staff. Other Members of Railway Board were present at different stations in Delhi Area. Shri Ashok Kumar Verma, General Manager, Northern Railway administered the Swachchta pledge to officers and staff at Baroda House.

Shri Uday Borwankar Assumes Additional Charge as GM/North Eastern Railway, Reviews Gorakhpur Redevelopment Progress

Source/RSB- Shri Uday Borwankar, the Director General of the Research Designs and Standards Organisation (RDSO), has taken on the additional charge as the General Manager (GM) of North Eastern Railway, effective on, September 1, 2025.

Shri Borwanker has rendered meritorious Service of over 35 years in various challenging positions in Central Railway, Western Railway, South East Central Railway, West Central Railway, Railway Board and on deputation in Ministry of Mines and Maha Metro. He has worked on various challenging posts, such as Additional Divisional Manager/Nagpur, Executive Director in Railway Board, Head of O&M in Nagpur Metro, Divisional Railway Manager/Bhopal and as Principal Chief Mechanical Engineer in SEC Railway as well as Western Railway.

As Director General of RDSO from August 2024, he has been championing induction of innovative & modern technology in the Railways and leading important initiatives like Kavach, Vande Bharat trains, Hydrogen Train, 'AI and Drone based technology', DAS etc. After his schooling from Varanasi, he was selected by UPSC for the prestigious Special Class Railway Apprentices scheme in the year 1985. After studying Mechanical Engineering at the Indian Railways Institute of Mechanical Engineering, Jamalpur, he did his post-graduation (MBA) from Mumbai. He has been trained in Electronics at IIT Kharagpur, in Business Management at Indian School of Business, Hyderabad and Bocconi School of Business, Milan as well as in Civil Engineering at University of Graz, Austria.

Shri Konda Vishweshwar Reddy, MP Chevella, Discusses Regional Rail Projects with SCR GM

Source/SCR- A meeting was held on 02nd September, 2025 between Shri Konda Vishweshwar Reddy, the Hon'ble Member of Parliament for the Chevella constituency in Telangana, and Shri Sanjay Kumar Srivastava, the General Manager of South Central Railway (SCR) at the SCR Headquarters. The discussion focused on various rail developmental plans specifically pertaining to the Chevella region.

During the discussion, the MP and the General Manager reviewed key proposals aimed at enhancing rail connectivity, improving passenger amenities, and furthering the overall development of railway infrastructure in the area.

General Manager of Northern Railway Reviews Safety and Progress

Source/NR- Northern Railway's General Manager, Shri Ashok Kumar Verma, convened a comprehensive progress review meeting on 02nd September, 2025 at Baroda House, New Delhi. The meeting was attended by all Principal Heads of Departments to assess the performance of various railway operations.

During the session, Shri Verma underscored the railway's unwavering commitment to safety, a cornerstone of its operational philosophy. He emphasized the critical importance of continuously enhancing and reviewing safety protocols to ensure a secure travel environment for all passengers. The General Manager also reviewed the progress of key projects & discussed strategies to improve efficiency and punctuality across the Northern Railway zone.

"The greatest threat to our planet is the belief that someone else will save it. We must take ownership of our environment and maintain its cleanliness for future generations."

Robert Swan

Scanned with OKEN Scanner